हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 314, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 8 मई, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

'ताला, तालीम और तहजीब अलीगढ़ की पहचान, जातिवाद-परिवारवादियों ने खत्म किया कारोबार'

बोले सीएम योगी- अब बदलते हुए अलीगढ़ व प्रदेश को आपने देखा है

अलीगढ़। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ नगर निकाय चुनाव में ताबड़तोड़ प्रचार कर रहे हैं। रविवार को अलीगढ़ के नुमाइश मैदान से उन्होंने भाजपा के मेयर प्रत्याशी प्रशांत सिंघल सहित पार्षद और चेयरमैन प्रत्याशियों के लिए जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि ताला, तालीम और तहजीब अलीगढ़ की पहचान है। लेकिन जातिवादी व परिवारवादी लोगों ने ताला कारोबार को खत्म करने का काम किया। इन्हें तालीम से कोई मतलब नहीं है। यह तुष्टीकरण करते थे। पर्व और त्यौहार पर लोगों में दहशत रहती थी। लोगों को कर्फ्यू झेलना पड़ता था। कारोबार ठप रहता था।

अब बदलते हुए अलीगढ़ व प्रदेश को आपने देखा है। सीएम योगी ने कहा कि अब सीमा सुरक्षित हैं, अब आतंकी खत्म हैं, विकास कार्य हो रहे हैं। एयरपोर्ट और एम्स बन रहे हैं, विकास को गति दी जा रही है। अब जन धन खाते खुल रहे हैं। आयुष्यामन कार्ड बन रहे हैं, भारत अकेला देश हैं जहां 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया गया। 220 करोड़ वैक्सीन फ्री में लगाई गई। यह बदलता हुआ भारत हैं। इस भारत में एक नया उत्तर प्रदेश पीएम के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। छह साल में आवास दिए गए। अब दीपावली व होली पर गरीबों को मुफ्त सिलेंडर देंगे। 1 करोड़ लोगों को 12 हजार साल में पेंशन दी रही है। देश की सुरक्षा के लिए डिफेन्स करिडोर बन रहा है अलीगढ़ से कानपुर तक फोरलेन बन रहा है। अलीगढ़ के हरदुआगंज में बिजली बन रही है। सपा व बसपा तो केवल जातिवादी में बांटते रहे, इन्होंने तुष्टिकरण किया। हमने सशक्तीकरण किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि परिवार वादी और जातिवादी की मानसिकता के लोग युवाओं को तमंचा दिया करते थे। हमने टैबलेट दिए। दंगों पर अलीगढ़ का ताला लग गया। जब अलीगढ आता था तो लोग विश्वविद्यालय की मांग करते थे। यहां जैसे ही जमीन की व्यवस्था हुई। हमने विश्व विद्यालय दिया। एएमयू में भले उनके नाम का शिलापट्ट ना हो। हमने उन्हीं के नाम पर यह सौगात दी। जल्द अलीगढ का एयरपोर्ट शुरू होगा। यहां एयरपोर्ट का विस्तारी कारण होगा। टीपी नगर यहां बन रहा है। यहां की पहचान थी जो ताला हमने उसको एक जिला एक उत्पाद में शामिल किया। सीएम योगी ने कहा कि समिट में 35 लाख करोड़ का निवेश आया है। इससे एक करोड़ युवाओं को नौकरी मिलेगी। डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। 2017 से पहले गंदगी के ढेर थे। हमने स्मार्ट बनाया। पिछली बार अगर भाजपा का बोर्ड होता तो यहां और अधिक विकास होता। 2017 से पहले पानी के लिए तरसते थे। पहले व्यापारी रंगदरी देते थे। हमने उनके लिए बोर्ड दिया है। व्यापारियों को 10 लाख का कवर दिया है। पटरी वालों को पीएम स्वनिधि का लाभ दिया। अब कोई माफिया व अपराधी सीना तानकर नहीं चल सकता है। पहले व्यापारी डरता था। अब किसी की हिम्मत नहीं है। अब कोई माफिया सीना नहीं तान सकता है। अब व्यापारी शान से पूरे प्रदेश में चलता है। अलीगढ़ में भाजपा के मेयर प्रत्याशी प्रशांत सिंघल, सभी पार्षद और चेयरमैन प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया और समर्थन मांगा।

अमित शाह ने कर्नाटक के बेलगावी में किया रोड शो, उमड़ा जनसैलाब

बेलागवी (कर्नाटक)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में मतदान से कुछ दिन पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बेलगावी दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में एक मेगा रोड शो कर रहे हैं। भाजपा समर्थकों की भारी भीड़ ने अमित शाह के वाहन को घेर लिया और जुलूस का साथ दिया। शाह ने हाथ हिलाकर उनका स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर कतारबद्ध भीड़ का अभिवादन किया। भारतीय जनता पार्टी जोर शोर से प्रचार-प्रसार में लगी हुई है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में दूसरे दिन मेगा रोड शो कर रहे हैं। इस रोड शो के दौरान पीएम मोदी 10 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। रोड शो में शामिल होने के लिए भारी संख्या में लोग जुटे हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री शिवमोगा और मैसूर में दो जनसभाएं भी करेंगे।

एटीएस ने लखनऊ से दो पीएफआई एजेंट को दबोचा, खुफिया एजेंसियां कर रही पूछताछ

लखनऊ। प्रदेश की राजधानी में एटीएस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए पीएफआई ग्रुप के दो एजेंट को बख्शी का तालाब के अचरामऊ गांव से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कई दिनों से एटीएस की टीम द्वारा अचरामऊ गांव में छापेमारी की जा रही थी। इसके बाद शनिवार रात में बड़ी कामयाबी मिली।

दिल्ली जा रही महिला किसानों ने टीकरी बॉर्डर पर तोड़ा पुलिस का नाका, बनी रही तनाव की स्थिति

बहादुरगढ़ /सोनीपत (हरियाणा)। दिल्ली के टीकरी बॉर्डर पर रविवार को एक बार फिर से किसान और दिल्ली पुलिस आमने-सामने हो गए। महिला पहलवानों के समर्थन के लिए जंतर मंतर के लिए निकले किसानों के जत्थे को दिल्ली पुलिस ने टीकरी बॉर्डर पर रोक लिया। लेकिन महिला किसान दिल्ली पुलिस के नाकों को तोड़कर पैदल ही आगे बढ़ चली। महिला किसानों ने एमसीडी के कमर्शियल टोल प्लाजा पर जाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सड़क पर जाम लगा दिया। जिसके बाद दिल्ली पुलिस के हाथ पैर फूल गए और आनन-फानन महिला किसानों के जत्थे को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई।

लगभग 10 बसों में सवार होकर महिला किसान पंजाब के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली के जंतर मंतर के लिए आई हैं। अपने साथ में खाना बनाने का सामान भी लेकर किसान पहुंचे हैं। महिला किसानों का कहना है कि सरकार को भारतीय कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह को तुरंत गिरफ्तार करना होगा। महिला पहलवान लगातार धरना प्रदर्शन कर रही हैं और मंच से बता रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है। ऐसे में आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। महिलाओं ने कहा कि अगर उन्हें रोका गया तो वहीं रुक जाएंगी। फिलहाल वे एक दिन के प्रदर्शन के लिए दिल्ली आई हैं।

पंजाब की भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) से जुड़ी हुई सैकड़ों महिलाएं कल ही पंजाब से दिल्ली के लिए रवाना हो गई थी। महिलाओं का पहला पड़ाव जींद में था और आज का पड़ाव जंतर मंतर पर रहने वाला है। महिलाओं के साथ भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां के प्रधान जोगेंद्र सिंह उगराहां भी जंतर-मंतर गए हैं। जोगिंदर उगराहां का कहना है कि इस मामले में जांच की जरूरत नहीं है। जब बेटियां कह रही हैं कि उनके साथ यौन शोषण हुआ है तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए। बृजभूषण शरण सिंह को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए और सख्त से सख्त सजा देनी चाहिए। अगर सरकार ने जल्द ही बृजभूषण शरण को गिरफ्तार नहीं किया तो वह बड़ा आंदोलन करेंगे। इतना ही नहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने भी देश भर में 11 मई से 18 मई तक महिला पहलवानों के समर्थन में प्रदर्शन करने का एलान किया है। काफी देर तक जद्दोजहद के बाद दिल्ली पुलिस ने किसानों के जत्थे की गाड़ियों के नंबर नोट करके किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति दे दी। काफी समय तक किसानों और पुलिस की आमने सामने आने से तनाव की स्थिति बनी रही। आज हरियाणा की खाप पंचायतें दिल्ली महापंचायत करने जा रही हैं। इसे देखते हुए दिल्ली के टिकरी बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों की ड्यूटी लगाई गई है।

पुलवामा को दहलाने की बड़ी साजिश विफल, 5 किलो आईईडी बरामद आतंकियों का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर। कश्मीर घाटी के पुलवामा में पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया है। पुलिस ने यहां एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही करीब पांच से छह किलो आईईडी को बरामद किया है। इस मामले में पुलिस और सुरक्षाबलों की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, पुलवामा पुलिस ने आतंकी मददगार इश्फाक अहमद वानी को गिरफ्तार किया है। वह पुलवामा के अरिगाम इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने उसके खुलासे पर करीब पांच से छह किलो वजनी आईईडी को जब्त किया है। इससे पुलिस ने एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। उत्तर कश्मीर में लगातार तीन मुठभेड़ों के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि इन मुठभेड़ों में संयुक्त सुरक्षाबलों द्वारा पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को जमीनी स्तर पर तैनात किया गया है, हवाई निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। आतंकवादियों या विस्फोटकों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से रोकने के लिए स्थापित विभिन्न जांच बिंदुओं पर वाहनों की जांच के लिए खोजी कुत्ते सुरक्षा कर्मियों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर रखा गया है क्योंकि कश्मीर इस महीने के अंत में पर्यटन पर जी20 कार्य समूह की बैठक की मेजबानी करेगा।

पिछले पांच दिनों के दौरान मुठभेड़ों में मारे गए पांच आतंकवादियों में से तीन दक्षिण कश्मीर से थे। गुलमर्ग पर्यटन स्थल के करीब उत्तरी कश्मीर में आतंकियों की मौजूदगी ने घाटी में एक बड़े आतंकी हमले की आशंका को जन्म दिया है। लेकिन सुरक्षा एजेंसियां समन्वय के साथ काम कर रही है और उनका दावा है कि वह किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सक्षम हैं।

आजम के करीबी सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खां गिरफ्तार किसानों को जबरन घरों से उठाकर जेल में बंद करने का आरोप

रामपुर। सपा सरकार में सीओ सिटी रहे आले हसन खां को अजीमनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह आजम खां के साथ कई मुकदमों में नामजद हैं। आले हसन अपने तैनाती काल में समाजवादी पार्टी के महासचिव आजम खां के करीबी अधिकारियों में गिने जाते रहे हैं। जब भी प्रदेश में सपा की सरकार रही, आले हसन खां की तैनाती रामपुर में ही रही। जब वह इंस्पेक्टर थे तो उन्हें सिविल लाइंस कोतवाल बनाया गया था। प्रोन्नति होने पर उन्हें सीओ सिटी बना दिया गया था। सेवानिवृत्ति के बाद आजम खां ने उन्हें अपनी जौहर यूनिवर्सिटी में सिक्योरिटी आफिसर बना दिया था। आजम खां के खिलाफ वर्ष 2019 में अजीमनगर थाने में आलियागंज गांव के 26 किसानों ने मुकदमे दर्ज कराए थे। जिनमें आजम खां पर ग्रामीणों की जमीन जबरन कब्जाकर जौहर यूनिवर्सिटी में मिलाने का आरोप है। इन मुकदमों में सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खां का भी नाम शामिल है। उनपर आरोप है कि उन्होंने आजम खां के लिए किसानों को जबरन घरों से उठाकर हवालात में बंद किया था। मारपीटकर उनकी जमीनों को बिना मुआवजा दिए जौहर यूनिवर्सिटी के नाम बैनामा करा दिया था। कई मामलों में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट थे।

बजरंग दल विवाद पर पी चिंदबरम ने दी सफाई, कहा- बैन नहीं, निर्णायक कार्रवाई करने का किया था वादा

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में कांग्रेस ने बजरंग दल को पर कार्रवाई करने की घोषणा की थी। तब से ही इस मामले से सियासी पारा गरमाया हुआ है। बीजेपी ने कांग्रेस के इस कदम की कड़ी आलोचना की थी। वहीं, अब कांग्रेस के बड़े नेता पी चिदबंरम ने इस विवाद पर सफाई दी है। पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के कर्नाटक चुनाव घोषणापत्र में यह नहीं कहा गया है कि संगठन पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। लेकिन कानून के तहत निर्णायक कार्रवाई का वादा किया गया था और यह उन सभी संगठनों को चेतावनी के रूप में कहा गया था जो देश में नफरत फैलाते हैं। पी चिदंबरम से सवाल किया गया कि बजरंग दल जैसे संगठनों के खिलाफ संभावित कार्रवाई वाली घोषणा को बीजेपी ने चुनावी मुद्दा बना लिया है तो क्या इसका असर चुनाव परिणामों पर पड़ेगा। उन्होंने बजरंग दल विवाद के जवाब में स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में यह नहीं कहा गया है कि "हम बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाएंगे"।

उन्होंने कहा कि कृपया दो वाक्यों को फिर से पढ़ें। इसमें दो संगठनों का संदर्भ है जो अत्यधिक अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं और चरम कार्यों में लिप्त होते हैं। कांग्रेस ने नफरत फैलाने वाले सभी संगठनों को चेतावनी दी है। कांग्रेस ने कानून के तहत निर्णायक कार्रवाई का वादा किया था। उन्होंने कहा कि कानून के तहत, किसी संगठन पर प्रतिबंध लगाना एक न्यायिक प्रक्रिया है। भाजपा की आलोचना पर निशाना साधते हुए उन्होंने बजरंग दल की तुलना बजरंगबली से करने पर भी सवाल उठाया और पूछा कि यह मैजिक बदला कैसे समझाया जा सकता है। पी चिदंबरम ने कहा कि लोकतंत्र और कर्नाटक के भविष्य के लिए, हमें भाजपा को कर्नाटक में जीतने से रोकना चाहिए और जीत का इस्तेमाल पड़ोसी राज्यों में शुरू करने के लिए करना चाहिए।

चीन सीमा के पास लौखुंग नाले में टूटा ग्लेशियर, लोगों ने भागकर बचाई जान

धारचूला (पिथौरागढ़)। दारमा घाटी के चीन सीमा से सटे ग्राम बालिंग और दुग्तू के बीच रविवार को लौखुंग नाले में ग्लेशियर टूट गया। सड़क बंद होने से दर्जनों ग्रामीण और प्रसिद्ध पंचाचूली में पर्यटक फंसे गए हैं। हालांकि कोई जनहानि की सूचना नहीं है। ग्राम दांतू निवासी होम स्टे पानु दताल ने बताया को वे सात लोग गांव की ओर जा रहे थे थी। इसी दौरान अचानक ऊपरी लौखुंग नाले में ग्लेशियर टूटने लगा जिसे देखकर सभी ने भागकर अपनी जान बचाई। वाहन स्वामी गोविंद सेलाल ने बताया की ग्लेशियर लगभग 20 मीटर के एरिया में आया है। घटना की सूचना कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को दे दी गई। गोविंद ने बताया की सड़क दो दिन बंद रहने की उम्मीद है। घटना की सूचना मिलने पर संस्था के एई अनिल सिंह बनग्याल मौसम सही होने पर शीघ्र बर्फ हटाने का कार्य किया जाएगा।

आतिशी का बड़ा दावा- दिल्ली में नहीं हुआ कोई शराब घोटाला, कोर्ट की टिप्पणी से हुआ साफ

नई दिल्ली। जिस आबकारी घोटाले के आरोप में मनीष सिसोदिया का उपमुख्यमंत्री का पद चला गया है और 26 मार्च से वो जेल में हैं। आम आदमी पार्टी ने इस घोटाले की सच्चाई से पर्दा उठाने का दावा किया है। आप नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी ने शराब घोटाले को लेकर आज रविवार को प्रेस वार्ता कर कहा कि छह महीने से ईडी और सीबीआइ शराब घोटाले की जांच कर रही है। पहला आरोप है कि शराब कारोबारियों से 100 करोड़ लिए गए, उसे आम आदमी पार्टी ने गोवा में खर्च किए। इस मामले में आरोपी राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को जमानत दे दी है और 85 पेज का आर्डर दिया है, इस आर्डर से साफ हो रहा है कि इस मामले में एक भी पैसे का घोटाला नहीं हुआ है। ईडी ने पहले 100 करोड़ का आरोप लगाया था, इसके बाद ईडी 30 करोड़ पर आ गई है। आरोप में कहा गया कि राजेश जोशी ने यह पैसा गोवा में पहुंचाया। इस पर कोर्ट ने कहा है कि इसका भी कोई प्रमाण नहीं मिला है। कहा गया कि पैसा हवाला के माध्यम से पर्चियों के माध्यम से लिया गया है। कोर्ट ने कहा है कि इसका कोई सुबूत ईडी के पास नहीं है। दूसरा आरोप है कि 100 करोड़ रुपये गोवा चुनाव में खर्च किया गया है। ईडी ने पूरी जांच कर ली है। मगर पूरी जांच में उन्हें पता चला है कि गोवा चुनाव में केवल 19 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसके बाद अब भाजपा को माफी मांगनी चाहिए, भाजपा एक साल से 100 करोड़ का आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि यह साल से पहले भाजपा ने 100 करोड़ का आरोप लगाया इसके बाद ईडी ने भी यही आरोप लगाया है। ईडी की कार्रवाई के बारे में इस तरह भी पता चलता है कि मनीष सिसोदिया ने 14 फोन तोड़ दिए, मगर इस बारे में भी पता चलता है कि इसमें से सात फोन ईडी और सीबीआइ के पास ही हैं। कोर्ट की टिप्पणी के बाद साफ है कि कोई घोटाला नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि आबकारी नीति मामले में मनीष सिसोदिया समेत कई हाई-प्रोफाइल लोग जेल में हैं। साथ ही जांच एजेंसी ने बीते महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी पूछताछ के लिए बुलाया था, जहां उनसे करीब 9 घंटे लंबी पूछताछ की गई थी। ईडी और सीबीआइ का आरोप है कि आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ और कम किया गया। इसके अलावा सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना एल-1 लाइसेंस बढ़ाया गया। जांच एजेंसियों ने कहा कि लाभार्थियों ने आरोपी अधिकारियों को "अवैध" लाभ दिया और उनकी खाता बही में गलत प्रविष्टि की गई। बता दें कि 4 मई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। वहीं, सीबीआइ इस मामले में चार्जशीट पहले ही दाखिल कर चुकी है।

मवेशी ले जा रहे ट्रक ड्राइवर को बीएसएफ जवानों ने मारी गोली, बोले- आत्मरक्षा में की फायरिंग

शिलॉन्ग। मेघालय में एक ट्रक ड्राइवर को बीएसएफ जवानों द्वारा गोली मारने का मामला सामने आया है। गोली लगने से ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। विवाद के बाद बीएसएफ ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। आरोप है कि ट्रक ड्राइवर को पाइंट ब्लैंक से गोली मारी गई। वहीं जवानों का कहना है कि अगर वह गोली नहीं चलाते तो ट्रक उन्हें कुचल देता। फिलहाल घटना की जांच की जा रही है। घटना मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स इलाके की है। जहां के मौशुन गांव में बीएसएफ की चेक पोस्ट है। यह इलाका भारत बांग्लादेश बॉर्डर से महज 17 किलोमीटर दूर है। शनिवार को मौशुन गांव की चेक पोस्ट पर तैनात जवानों ने एक ट्रक ड्राइवर रोनिंग नोन्गिनरिह को गोली मार दी। गोली लगने से ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई। वह ट्रक में मवेशी लेकर जा रहा था। गोली मारने वाले बीएसएफ जवानों का कहना है कि उन्हें डर था कि ट्रक ड्राइवर उन्हें कुचलकर चला जाएगा। अपनी आत्म सुरक्षा में उन्होंने गोली चलाई। वहीं मृतक के चचेरे भाई ने आरोप लगाया कि पॉइंट ब्लैंक रेंज से गोली मारी गई। घटना के वक्त मृतक का चचेरा भाई भी ट्रक में मौजूद था। ईस्ट खासी हिल्स जिले के एसपी एस नोंन्गर ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस की एक टीम घटनास्थल भेजी गई है। हालांकि अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं बीएसएफ के आईजी प्रदीप कुमार ने बताया कि डीआईजी रैंक के अधिकारी से मामले की जांच करेंगे। कोर्ट ऑफ इन्कवायरी के आदेश दे दिए गए हैं। वहीं आरोपी जवानों को ड्यूटी से हटाकर शिलॉन्ग में फ्रंटियर हेडक्वार्टर में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच में पुलिस का सहयोग किया जा रहा है।

संपादकीय

देवर्षि नारद धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने वाले सृष्टि के आदर्श पत्रकार

देवर्षि नारद तीनों लोकों में धर्म और न्याय के मार्ग पर चलकर पत्रकारिता धर्म का निर्वाह किया। प्रकृति के सभी जीवों और प्रकृति के लोक हित में उन्होंने काम किया। देवर्षि नारद देवकुल के होते हुए भी पत्रकारिता के धर्म को निभाने में देवताओं की भी आलोचना करने में कभी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों आदिशक्ति के संपर्क में रहकर तीनों लोकों के सभी जीवो के हित में उन्होंने देवताओं, राक्षसों और मानवों के बीच में संतुलन बनाए रखा। उसके कारण देवता, राक्षस और मानव कोई भी मनमानी नहीं कर पाए। यदि कोई मनमानी करने उतारू हुआ तो नारद जी ने दूसरे पक्ष को सक्रिय करके, उसकी मनमानी पर रोक लगाने का हरदम प्रयास किया। नारद जी पहले ऐसे पत्रकार थे, जिनकी आलोचना देवता, राक्षस और मानव सभी करते थे। तीनों लोकों में उनकी छवि लगाउ-बुझाऊ ऋषि के रूप में होती थी। लेकिन उनके सम्मान में कभी कमी नहीं आई। उन्होंने स्वतंत्रता के साथ देवताओं, राक्षसों और मानवों के बीच में विचरण करते हुए पत्रकार धर्म का निर्वाह किया। नारद जी पहले ऐसे पत्रकार थे, जिन्होंने धर्म और न्याय के लिए समय-समय पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश से मार्गदर्शन प्राप्त किया। संबंधित पक्ष तक संवाद कर पूरी सृष्टि के बीच में समन्वय बनाने का काम किया। नारद भक्ति सूत्र में उल्लेख है। किसी भी मत को मानने से पहले उसकी स्वयं अनुभूति करना पत्रकार का पहला धर्म है। पत्रकार को अनुभूति करके विवेक के अनुसार संवाद करके न्याय और धर्म का मार्ग अपनाना ही सच्ची पत्रकारिता है। सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति में वसुदेव कुटुंबकम पर आधारित 84 लाख योनियों के सभी जीवो का कल्याण निहित है। नारद जी पत्रकारिता के आदि पुरुष होने के साथ-साथ पत्रकारों के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व है। उन्होंने सदैव सोचा बिचारा और फिर संवाद किया जिससे, सृष्टि में संतुलन बना रहा। नारद जयंती के अवसर पर पत्रकारों को अपने कुलगुरू नारद के जीवन चरित्र से सबक लेने की आवश्यकता है। वह कभी भी देवताओं की आलोचना से घबराए नहीं। देवता जहां गलत होते थे, वहां उनको नियंत्रित करने का कोई भी मौका उन्होंने नहीं छोड़ा। देव, राक्षस और मानव जब शक्तियां प्राप्त करके अति करने लगते थे। उस समय नारद जी ने काई भी पक्ष शक्तियों का दुरुपयोग ना कर पाये। उसको नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर एक दूसरे पक्ष के साथ संवाद के माध्यम से गतिशील कर शक्तियों को नियंत्रित करने का काम भी करते रहे हैं, जिसके कारण आदिशक्ति ब्रह्मा, विष्णु, महेश के वह परम भक्त बने रहे। नारद जयंती के अवसर पर यही कहा जा सकता है कि प्रकृति के सभी जीवो को, ईश्वरीय अंश के रूप में स्वीकार करना सनातन परम्परा है। प्रकृति ने हर जीव को एक दूसरे का भोजन बनाया है। सभी को जीवन जीने की आजादी दी है। इस आजादी को कोई भी शक्ति छीन नहीं सकती है। यदि वह छीनने की कोशिश करती है, तो यह अधर्म है। जो ईश्वरीय न्याय के विपरीत है। प्रतिकार पत्रकारिता धर्म में सदैव किसी भी विषय पर अनुसंधान करना, सही और गलत को जानना, किसी भी पक्ष से प्रभावित हुए बिना समाज के बीच संवाद करना, पत्रकारों का आदर्श गुण है। वर्तमान परिपेक्ष्य में मूल्यों पर आधारित पत्रकारिता करना भूल गए हैं। पत्रकारिता को हमने जीवन यापन और भौतिक संसाधनों का साधन मान लिया है। जिसके कारण पत्रकारिता की श्रेष्ठता और सम्मान खत्म होता जा रहा है। पत्रकारिता के माध्यम से ही राष्ट्रवाद विश्व कल्याण, प्रकृति के सभी जीवों को बिना किसी भय के जीने का अधिकार बताने का दायित्व पत्रकारों का है। वर्तमान पत्रकारिता में विचारधारा, जाति, ज्ञान, कुल, धर्म इत्यादि का भेद करके जो पत्रकारिता की जा रही है। इससे किसी का भला नहीं हो रहा है, जो भी वर्ग शक्तिशाली होता है।

रुकती ना घटनाएं!

आतीं खबरें हिंसा की ।
है हर पल तनाव ।।
रूकती ना घटनाएं ।
बढ़ रहा दबाव ।।
आपस में यूं लड़ना ।
करता खड़े सवाल ।।
पहुंचा ना विकास वहां ।
इसलिए यह हाल ।।
अब होकर गंभीर ।
है करना उपाय ।।
समझाना बुझाना ।
है रहता सहाय ।।
भड़क रही ये आग ।
होगा काबू पाना ।।
जो कुछ अपने हाथ है ।
पेश करो नजराना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

यूपी निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी के लिए कितना बड़ा खतरा साबित होगी बसपा?

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के प्रथम चरण का चुनाव सम्पन्न हो चुका है। दूसरे और अंतिम चरण में 10 मई को वोट डाले जाएंगे। पहले चरण की बात की जाए तो ऐसा लग रहा है कि बहुजन समाज पार्टी ने कई सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत का गणित बिगाड़ दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती के निकाय चुनाव में मुस्लिम कार्ड खेलने से तो समाजवादी पार्टी को नुकसान होता दिख ही रहा है, इस नुकसान की भरपाई के लिए सचेत अखिलेश ने बसपा को भाजपा की बी टीम बताने का राग अलापना शुरू कर दिया है। एक तरफ बसपा से सपा को चुनौती मिल रही है तो दूसरी ओर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पार्टी के भीतर की अंतकर्लह पर भी लगाम नहीं पाए। पार्टी के कई बड़े नेता मतदान से कुछ समय पूर्व तक अखिलेश के खिलाफ बगावत का झंडा उठाये रहे। इसमें संभल के सांसद अतीकुर्रहमान बर्क जैसे नेता शामिल हैं जो मुलायम सिंह के साथ समाजवादी पार्टी के गठन के समय से जुड़े हुए हैं। बर्क का पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अच्छा खासा दबदबा है, वह पार्टी में आजम खान के कद के नेता हैं। इसके अलावा भी कई जिलों से सपा के बागी उम्मीदवार मैदान में कूद कर सपा का खेल बिगाड़ रहे हैं। यहां तक कि समाजवादी पार्टी के गढ़ इटावा में भी बगावत के सुर गूंज रहे हैं। उत्तर प्रदेश में बसपा सुप्रीमो मायावती ने 17 नगर निगमों में से 11 में मुस्लिम मेयर प्रत्याशी उतार कर इस वर्ग में बड़ी पैठ बनाने की कोशिश की है। इसके गहरे राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी को सबसे बड़ा डर माय (मुस्लिम और यादव) समीकरण के टूटने का दिख रहा है। इस कारण सपा कुनबा और पार्टी के दिग्गज नेता टेंशन में दिख रहे हैं। यूपी में इस समय नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी तेज है। इसके अलावा रामपुर के स्वार और मिजार्पुर के छानबे विधानसभा उप चुनाव में राजनीतिक माहौल गरमाया है। इन तमाम राजनीतिक उठापटक के बीच विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति चरम पर है। मुस्लिम वोट बैंक के ध्रुवीकरण को लेकर तमाम विपक्षी दल अपनी रणनीति साधने में जुटे हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पसमांदा मुस्लिमों के मुद्दा को छेड़कर एक बड़े वर्ग को साधने की कोशिश की गई है। निकाय चुनाव में एक बार फिर से यूपी चुनाव 2022 के दौरान भाजपा का दिया 80-20 का नारा भी खासी चर्चा में रहा था। भाजपा की ओर से दावा किया गया था कि 80 फीसदी वोट पार्टी को मिल रहे हैं। 20 फीसदी वोट ही विपक्षी दलों को जाएंगे। विपक्षी दलों की ओर से इस मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम वोट बैंक से जोड़कर पेश किया गया। इस बीच यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने 75-25 का नया राग छेड़ दिया है। डिप्टी सीएम ने दावा किया है कि यूपी के 75 फीसदी वोट बैंक भारतीय जनता पार्टी के समर्थन में हैं। 25 फीसदी वोट बैंक तमाम दलों के बीच में बंट रहे हैं। केशव मौर्य का यह भी दावा है कि उन 25 फीसद वोट में से भी जो बंटवारा हो रहा है, उसमें भारतीय जनता पार्टी को वोट मिल रहे हैं। इस पर राजनीति शुरू हो गई है। केशव प्रसाद मौर्य के बयान का एक अलग ही मतलब निकाला जा रहा है। दरअसल, पिछले दिनों मुस्लिम वोट बैंक को लेकर समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के बीच जबरदस्त खींचतान दिखी थी। समाजवादी पार्टी की ओर से लगातार इस वोट बैंक को लुभाने की कोशिश की जा रही है। अखिलेश यादव और डिंपल यादव समेत तमाम पार्टी नेता मुस्लिमों के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठा रहे हैं। योगी सरकार के बुलडोजर मॉडल से लेकर एनकाउंटर नीति तक का विरोध कर रहे हैं। वहीं, अखिलेश और डिंपल ने तो बसपा सुप्रीमो मायावती पर हमला कर और उन्हें भाजपा की बी टीम बताकर मुस्लिम वोट बैंक में बिखराव की आशंका के संकेत दे दिए हैं। एक तरफ बहुजन समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिम प्रत्याशियों को मैदान में उतारने में बड़ी दरियादिली दिखाई, वहीं पर समाजवादी पार्टी जो हमेशा मुसलमानों की सबसे आगे रहती है, वह इस बार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देने में अपने पुराने रिकॉर्ड से पीछे नजर आई। सपा ने मेयर पद के लिए मात्र चार मुस्लिम प्रत्याशियों को वोट दिए हैं, यही संख्या कांग्रेस की भी है। कम मुस्लिम प्रत्याशी उतारना समाजवादी की चुनावी रणनीति हो सकती है, लेकिन इस हकीकत को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि अब पहले की तरह मुसलमानों का समाजवादी पार्टी के प्रति विश्वास नहीं रह गया है। समाजवादी पार्टी के कई मुस्लिम नेता अखिलेश यादव से नाराज चल रहे हैं। यह नाराजगी आजम खान से शुरू हुई थी और अब संभल के सांसद शफीकउर रहमान बर्क तक पहुंच गई है। बर्क खुलेआम अखिलेश की आलोचना और बसपा की तारीफ कर रहे हैं। मुरादाबाद के सांसद एसटी हसन भी करीब-करीब बर्क के ही पद चिन्हों पर चलने नजर आ रहे हैं। बात मुस्लिम नेताओं तक ही सीमित नहीं है। मुस्लिम वोटर भी अखिलेश की नियत पर शक करने लगे हैं। अतीक अहमद के मामले में कई लोगों को लगता है कि अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भड़काने का काम ना किया होता तो योगी सरकार इतनी सख्त कार्रवाई अतीक अहमद के साथ नहीं करती। अतीक अहमद के जेल में बंद बेटे ने भी एक मैसेज के द्वारा मुस्लिम वोटरों से आह्वान किया था कि वह भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ समाजवादी के लिए भी वोट ना करें। इससे अतीक के परिवार की समाजवादी पार्टी के प्रति नाराजगी समझी जा सकती है। जिसका नुकसान निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी को उठाना पड़ सकता है। बात कांग्रेस की कि जाए तो यूपी में भाजपा से पहले शहरी इलाके कांग्रेस के गढ़ हुआ करते थे। कांग्रेस निकाय चुनावों में अपने मेयर भी बनाती रहती थी, लेकिन पिछले चुनाव में खाता भी नहीं खोल सकी थी। इतना ही नहीं, नगर पालिका और नगर पंचायत के चुनाव में भी कांग्रेस का प्रदर्शन कोई खास नहीं रहा था। 2022 के विधानसभा चुनाव में 2.33 फीसदी वोट शेयर पाने वाली कांग्रेस निकाय चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के जरिए अपने खोए हुए सियासी जनाधार को दोबारा पाने की जद्दोजहद में है। उसकी भी पैनी नजर मुसलमानों पर है। कांग्रेस ने शहरी क्षेत्रों में मुस्लिम मतों को साधने के लिए रोजा इफ्तार का आयोजन भी आयोजन किया था। निकाय चुनाव में कांग्रेस ने 23 फीसदी टिकट मुस्लिमों को दिए हैं। नगर निगम की 4 सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट उतारे हैं। कांग्रेस ने मुरादाबाद से रिजवान कुरैशी, मेरठ से नसीम कुरैशी फिरोजाबाद से नुजहत अंसारी और शाहजहांपुर से निकहत इकबाल को प्रत्याशी बनाया है। हालांकि, विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी यूपी नहीं आई हैं। ऐसे में देखना है कि कांग्रेस क्या निकाय चुनाव के जरिए वापसी कर पाएगी?

हाई सिक्योरिटी जेलों से आखिर गैंगस्टर कैसे खेलते हैं हत्या की साजिशों का खूनी खेल?

हाई सिक्योरिटी जेलों के अंदर कैद में बंद कोई अपराधी अगर किसी भी प्रकार के अपराध को अंजाम देता है, तो हालात देश के सिस्टम को अपराधियों के द्वारा खुली चुनौती देने वाले बन जाते हैं, जिसके खिलाफ तत्काल विचार करके ठोस कदम उठाना सिस्टम के लिए बेहद आवश्यक होता है। वैसे भी आज भारत की सुरक्षित माने जाने वाली जेलों में कैद कुछ अपराधियों के काले कारनामे देश व दुनिया से जरा भी छिपे हुए नहीं हैं। यह अपराधी सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते सिस्टम में बैठे कुछ भ्रष्ट लोगों की कृपा से जेलों की कैद में बैठकर भी अपने गैंग का पूरी तरह से बेखौफ हो करके निर्बाध रूप से संचालन कर रहे हैं। आज इक्कीसवीं सदी के भारत में भी कुछ कुख्यात अपराधियों के जेल से किये गये एक इशारे पर ही देश के किसी भी कोने में दिनदहाड़े सरेआम हत्याएं तक हो जाती हैं, जो स्थिति अपराध मुक्त समाज की कल्पना में बहुत बड़ी बाधक है और कानून पसंद सभ्य व शांति प्रिय समाज के लिए बेहद घातक है। वैसे देश में हाल में घटित कुछ बेहद हाई प्रोफाइल आपराधिक घटनाक्रमों पर नजर डालें तो हम देखते हैं कि देश व दुनिया में सिद्धू मूसेवाला नाम से मशहूर गायक शुभदीप सिंह सिद्धू की 29 मई 2022 को पंजाब के मनसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसकी जिम्मेदारी जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई के गैंग के एक सदस्य गोल्डी बराड़ ने ली थी। वहीं उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी 2023 को विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल व उसके दोनों सरकारी गनरों को ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर छलनी कर दिया गया था, इस हत्याकांड में जेल में बंद अतीक अहमद उसके भाई बेटे व गैंग के अन्य सदस्यों का नाम आया था, वहीं अभी पिछले महीने 15 अप्रैल 2023 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के एक अस्पताल में पुलिस कस्टडी में मेडिकल करवाने के लिए जा रहे बाहुबली अतीक अहमद व उसके भाई अशरफ अहमद की तीन युवकों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा करके हत्या कर दी थी। इन सभी हत्याओं की घटनाओं के तार तिहाड़ जेल, साबरमती जेल, नैनी जेल, बरेली जेल जैसी देश की बेहद हाई सिक्योरिटी वाली जेलों से जांच एजेंसियों को जुड़ते हुए नजर आ रहे हैं, जो स्थिति हमारे देश की जेलों की सच्चाई की देशवासियों के सामने पोल खोलने के लिए काफी है। वैसे देश की जेलों के इस तरह के हालात नियम कायदे कानून में विश्वास रखने वाले आम लोगों व हमारे देश के सिस्टम के लिए बेहद चिंताजनक है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी हत्याकांडों की जांच के दौरान जांच एजेंसियों को बहुत से ऐसे तथ्य मिले हैं जो यह साबित करने के लिए काफी हैं कि इन सभी हत्याकांडों का ताना-बाना देश के हाई प्रोफाइल अपराधियों के द्वारा आराम से हाई सिक्योरिटी वाली जेलों की कैद में बैठकर ही बुना गया है, जो यह साबित करने के लिए काफी हैं कि देश में जेल सुधार गृह की जगह अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बनती जा रही हैं।

वहीं सबसे ज्यादा चिंताजनक बात तो तब हो जाती है कि जब दिल्ली की हाई सिक्योरिटी वाली तिहाड़ जेल की जेल नंबर 3 में 14 अप्रैल 2023 की शाम 5 बजे किसी बात को लेकर दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट की घटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य प्रिंस तेवतिया को धारदार हथियार से हमला करके गंभीर रूप से घायल कर दिया जाता है, जिसको तत्काल जेल प्रशासन के द्वारा घायलावस्था में जेल के पास स्थित डीडीयू हॉस्पिटल में एडमिट करवाया जाता है, जहां पर इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो जाती है। लेकिन इस घटना से तिहाड़ जेल के प्रशासन ने व हमारे जेलों से जुड़े हुए शीर्ष सिस्टम ने कोई सबक नहीं लिया और मात्र 19 दिन के बाद इसी प्रकार से 2 मई 2023 को तिहाड़ जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक के अंदर कुख्यात गैंगस्टर सुनील मान उर्फ टिल्लू ताजपुरिया की आपसी गैंगवॉर में धारदार हथियार से हत्या कर दी जाती है। हालांकि इस तरह की घटनाओं के बाद जेल प्रशासन आपसी रंजिश की दुहाई देकर अपना पल्ला झाड़ते हुए नजर आता है। लेकिन इस तरह की घटनाओं ने देश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली तिहाड़ जेल की सुरक्षा पर बहुत सारे सवालिया निशान खड़े करते हुए, तिहाड़ जेल की सुरक्षा व्यवस्था, जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाने का कार्य कर दिया है। वैसे भी देखा जाये तो नियमानुसार कुख्यात कैदियों के संदर्भ में सबसे अहम बात यह होती है कि जेल की जिस बैरक में ऐसे कैदी को रखा जा रहा है, उस बैरक में उस कैदी से रंजिश रखने वाला कोई अपराधी कैद न हों, लेकिन सब कुछ जानने के बाद भी ना जाने क्यों जेल प्रशासन के द्वारा ऐसे कैदियों को एक बैरक में रखकर के बार-बार नियमों की अनदेखी कर-के गैंगवॉर होने का माहौल बनाया जाता है, यह मेरी समझ से परे है और यह जांच का एक महत्वपूर्ण विषय है। जेल के अंदर घटित इस तरह के हत्याकांडों से अब यह बात जग जाहिर हो गयी है कि जेल कर्मियों में से कोई तो व्यक्ति इन सभी अपराधियों से मिला हुआ है और जेल के अंदर बैठे इन अपराधियों को अपराध करवाने में मददगार बनके जेल को इन अपराधियों की सुरक्षित पनाहगाह बना रहा है। क्योंकि बिना मिलीभगत के जेल प्रशासन इन कैदियों के सामने अपना वजूद पूरी तरह से खो दे, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। हालात को देखकर के आम जनमानस के दिमाग में यह धारणा बनती जा रही है कि जेल में बंद कैदियों पर जेल प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं बचा है, तब ही कुछ कैदी जेल की सलाखों के पीछे से ही बेखौफ होकर के अपहरण, रंगदारी व हत्याकांड जैसी जघन्य अपराधों की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आज की स्थिति में विचारणीय तथ्य यह है कि दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी जेलों में से एक तिहाड़ जेल को तो बेहद हाई सिक्योरिटी वाली जेल माना जाता है, लेकिन उसके बावजूद भी तिहाड़ जेल तमाम तरह के गलत कारणों से आये दिन चर्चा में बनी रहती रही है, चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी व हाई सिक्योरिटी से युक्त तिहाड़ जेल के अंदर आखिरकार कैसे अपराधियों के गिरोह निरंतर अपनी सल्तनत चलाने का कार्य कर रहे हैं, क्योंकि इस तरह की स्थिति जेल अधिकारियों, जेल के कर्मचारियों व अपराधियों की सांठगांठ के बिना संभव नहीं हैं, तो फिर भी हर घटना के बाद यह गठबंधन कैसे साफ बच जाता है। खैर जो भी इस तरह के नापाक गठजोड़ों के चलते ही देश में जेलों की सुरक्षा पर बार-बार प्रश्नचिन्ह खड़े होने का कार्य हो रहा है, जो उचित नहीं है।

नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट था जाति आधारित गणना, कोर्ट की रोक से गरमाई बिहार की सियासत

बिहार में चल रही जातीय जनगणना पर पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा है कि जनगणना कराने का काम केंद्र सरकार का है, राज्य सरकार का नहीं। ऐसे में क्या यह सवाल नहीं उठता है कि जातीय जनगणना के नाम पर बिहार सरकार अभी तक समय, श्रम आ और संसाधन का दुरुपयोग कर रही थी? क्या सरकार कोई भी फैसला लेने से पहले राज्य के कानून विशेषज्ञों से राय-मश्विरा नहीं लेती। अगर सचमुच बिहार सरकार ने ऐसा किया होता तो समय, श्रम और संसाधन का दुरुपयोग नहीं हुआ होता। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि राज्य सरकार के फैसले पर होईकोर्ट ने रोक लगा दी हो। इससे पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। निकाय चुनाव के दौरान भी किच-किच हुई। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। मैदान में पहले से ताल ठोक रहे उम्मीदवारों ने ताबड़तोड़ नामांकन करबाए और धुआंधार प्रचार शुरू हुआ। चुनाव में दो दिन ही बाकी थे कि हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगा दी। यहां भी समय, श्रम और संसाधन का खूब दुरुपयोग हुआ। चूंकि हाईकोर्ट ने चुनाव पर रोक लगा दी तो उम्मीदवारों का नामांकन भी स्वतः रद्द हो गया। चुनाव में पानी की तरह पैसा बहाने वाले उम्मीदवारों के पैरों तले की जमीन खिसक गई। बिहार में अभी भी कुछ जगहों पर निकाय चुनाव होना बाकी है। मामला अदालत में उलझा हुआ है।

मुझे लगता है कि इस मामले में सरकार ने अगर कानून विशेषज्ञों का सहारा लिया होता तो ऐसी फजीहत नहीं होती। यह गणना बिहार ही नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति के लिए भी जरूरी मानी जा रही है। यह इतना ही जरूरी मुद्दा है कि विधानसभा में जब इस विधेयक को लाया गया तो इसका सर्वसम्मति से समर्थन किया गया। पक्ष-विपक्ष के तमाम नेताओं ने इसका दिल खोलकर स्वागत किया। हालांकि इस मामले में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व के विचारों में अंतरविरोध दिखा। एक तरफ केंद्र की भाजपा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया कि केंद्र जाति आधारित जनगणना नहीं कराएगा तो दूसरी तरफ बिहार में भाजपा जतीय जनगणना के पक्ष में विरोधी नेताओं के सुर में सुर मिलाती रही। बिहार भाजपा आज भी जातीय गणना के समर्थन में है और बिहार सरकार पर होईकोर्ट में अपना पक्ष ठीक से नहीं रखने का आरोप लगाया है। हालांकि अन्य दलों ने भी सरकार पर विफलता का ठप्पा लगाने की कोशिश की है। सभी दल जातीय गणना से हासिल होने वाले आंकड़ों की आंच में अपनी-अपनी रोटी सेंकने का सपना संजो रहे हैं। इन आंकड़ों से समाज के शोषितों-वंचितों का कितना भला होगा यह तो वक्त बताएगा लेकिन इतना तो तय है कि आने वाले दिनों में बिहार में अगड़ा-पिछड़ा की राजनीति जोर पकड़ेगी। मंडल-कमंडल का भी डंका बजेगा।

हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं आया है। इसे अंतरिम रोक बताया गया है। अगली सुनवाई तीन जुलाई को होगी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि तीन जुलाई को इस मामले में हाईकोर्ट की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है। लेकिन चार मई को जातीय गणना पर अंतरिम रोक लगाते हुए हाईकोर्ट ने जो प्रतिक्रया दी, वह काफी गंभीर थी। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया हमारी राय है कि राज्य के पास जाति आधारित सर्वेक्षण कराने की कोई शक्ति नहीं है। जिस तरह से यह किया जा रहा है, वह एक जनगणना के समान है। ऐसा करना संघ की विधायी शक्ति पर अतिक्रमण होगा। जाति आधारित गणना के दौरान बिहार सरकार ने चालाकी से बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की। सरकार ने इसे जातीण जनगणना नहीं कहा, बल्कि इसका नाम जाति आधारित गणना दिया गया। कोर्ट को यह बताया कि यह जाति आधारित सर्वेक्षण है। लोगों ने वही समझा जो सरकार समझाना चाहती थी। हाईकोर्ट में सरकार की यह चालाकी पकड़ी गई। विभिन्न संस्थाओं और कुछ व्यक्तियों द्वारा दायर की गई याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि राज्य एक सर्वेक्षण की आड़ में एक जातिगत जनगणना करने का प्रयास नहीं कर सकता। खासकर जब राज्य के पास बिल्कुल विधायी क्षमता नहीं है और उस स्थिति में न ही भारत के संविधान की धारा 162 के तहत एक कार्यकारी आदेश को बनाए रखा जा सकता है।

मैजिक पिकअप ने रेलवे फाटक तोड़कर किया क्षतिग्रस्त सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस जाँच में जुटीं

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय डोभी क्षेत्र के अंतर्गत रामदेवपुर गोनौली गाँव में स्थित रेलवे फाटक न.12 पर वाराणसी से आजमगढ़ की तरफ बिस्किट से भरी जा रही मैजिक पिकअप ने मारी जोरदार टक्कर। टक्कर से फाटक टूटकर हुआ क्षतिग्रस्त देखते ही देखते आवाज सुन आस पास के ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। वही कुछ समय के लिये वाराणसी बाया आजमगढ़ मार्ग अवरुद्ध रहा। फाटक पर तैनात गेटमैन द्वारा सूचना पर औडीहार रेलवे पुलिस उपनिरीक्षक वीरेंद्र कुमार चौबे, कांस्टेबल पवन कुमार यादव के साथ घटना स्थल पर पहुँच मैजिक पिकअप सहित चालक को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुटी।

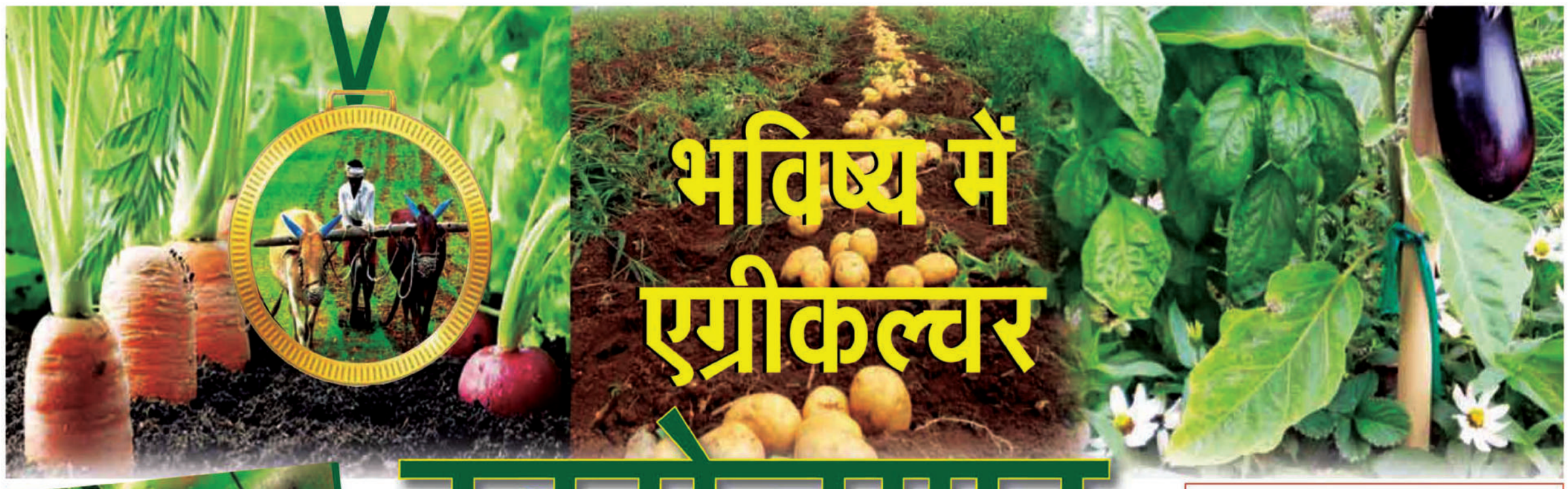

स्वरोजगार का बेहतर विकल्प

प्रफुल्ल सिंह

एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटिफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टर में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

पिछले दिनों विश्व के सबसे बड़े जैविक खेती थिंक टैंक इंटरनेशनल फोरम फॉर आर्गेनिक एग्रीकल्चर मूवमेंट्स तथा रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर आर्गेनिक एग्रीकल्चर ने संयुक्त रूप से एक अध्ययन रिपोर्ट जारी की है। उनके अनुसार जैविक खेती करने वाले उत्पादकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। भारत में 8 लाख 35 हजार से अधिक लोग जैविक खेती कर रहे हैं। दूसरे स्थान पर मक्सिको है।

विभिन्न रिपोर्टों में वर्ष 2022 तक भारत में 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती किये जाने की सम्भावना बताई गयी है। जैविक खेती के क्षेत्र में पूर देश में अग्रणी मध्यप्रदेश में वर्ष 2001-02 में जैविक खेती का आन्दोलन चलाकर प्रत्येक जिले के प्रत्येक ब्लाक में एक-एक गाँव में जैविक खेती शुरू की गयी है और इन गाँवों को 'जैविक गाँव' का नाम दिया गया है।

पुरातन काल से प्रकृति और ईश्वरीय व्यवस्था से सामंजस्य बिठाकर की जाने वाली प्राकृतिक खेती, भोजन, अनाज, जल, मानव, जमीन, वायुमंडल आदि के अस्तित्व को विदेशी और देशी षड्यंत्रकारी उद्योगपतियों, सरकारों ने हरित क्रांति की मशाल थामे रासायनिक खेती ने गहरे संकट में पहुंचा दिया है। खाद, पोषक तत्व, कीट नियंत्रण जैसी तमाम व्यवस्था ईश्वर ने प्रकृति के माध्यम से कर रखीं थीं जिसे मानव ने अपने हाथों से नष्ट कर दिया है।

अंग्रेजों और ता ना शा ही विश्व सत्ता ने कहने के लिए भारत और अन्य देशों को कहने के लिए तो आज़ाद कर दिया था लेकिन देश पर अपनी तमाम शोषणकारी व्यवस्थाओं की जड़ें गहरे में जमाकर गए थे जिनको देश के स्वार्थी नेताओं और उद्योगपतियों ने अपने स्वार्थ के लिए बहुत बड़ा कर दिया है। अंग्रेजियत ने सिर्फ हमारी भाषा और संस्कृति के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि आदि को भी विनाश के पथ पर अग्रसर किया है जिसे आज विकास के नाम से जाना जाता है। आज सब कुछ जानते हुए भी हम भोजन, जल, दूध, फल, सब्जियों आदि में सुबह, दोपहर, शाम, रात ज़हर खाने को मजबूर हैं। देश में प्राकृतिक और ज़हर मुक्त खेती का विशाल जन-आंदोलन खड़े करने वाले सुभाष पालेकर द्वारा किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, समाज सेवी संगठनों, जागरूक नागरिकों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को 6 से 12 दिवसीय प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिए जाते हैं। देश भर में उन्होंने विभिन्न किसानों के माध्यम से प्राकृतिक खेती के हजारों मॉडल स्थापित किये हैं, जिनके बारे में व्यवाहारिक प्रशिक्षण, ज्ञान और भ्रमण आदि भी समय समय पर कराये जाते हैं। किसानों को अपनी फसल बिचौलियों को न बेचकर स्वयं उसका प्रसंस्करण कर सीधे उपभाक्ताओं को बेचने के लिए प्रेरित और प्रशिक्षित किया जाता है। ●

- भारत में 8 लाख 35 हजार से अधिक लोग जैविक खेती कर रहे हैं।
- मक्सिको दूसरे स्थान पर है।
- वर्ष 2022 तक भारत में 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती किये जाने की सम्भावना बताई गयी है।

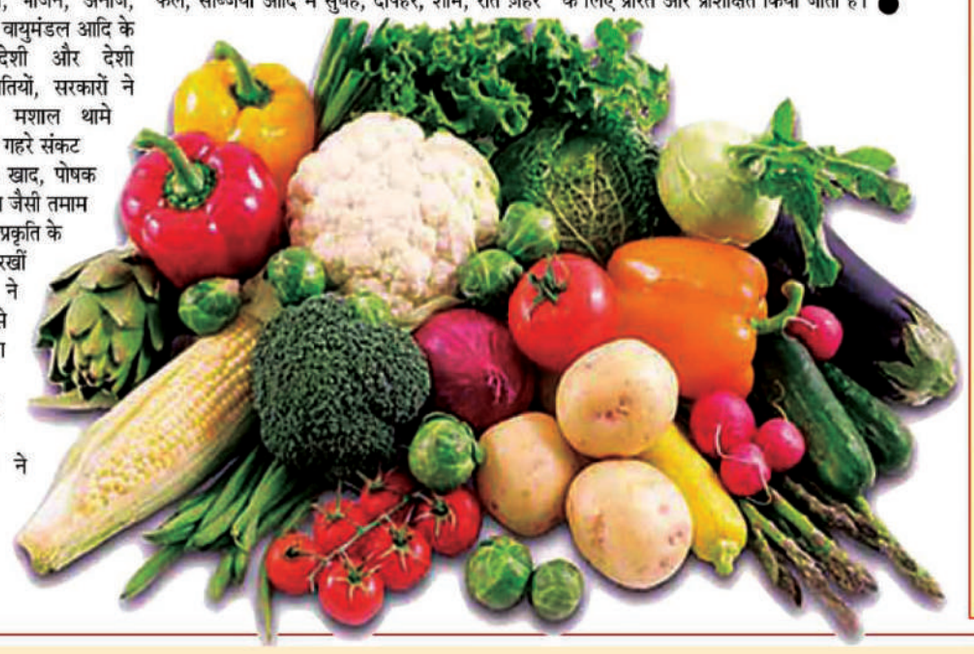

जीएसटी से बेहाल सरकार अब राहत की कश्मकश में

1।38 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान कोविड-19 के प्रभाव की वजह से होगा।

जीएसटी पर केंद्र सरकार और गैर बीजेपी शासित राज्यों के बीच मामला सुलझता नहीं दिख रहा है। पहले जीएसटी की 41वीं बैठक में उम्मीद थी की कुछ बात बनेगी लेकिन उसे 42वीं बैठक के लिए राज्यों के उपर फैसला लेने को छोड़ दिया गया। सोमवार को जीएसटी काउंसिल की 42वीं बैठक में भी कुछ खास निकल कर नहीं आया।

दरअसल दिल्ली, पश्चिम बंगाल, पंजाब समेत कई राज्य अपने बकाए को लेकर केंद्र सरकार से मांग कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने राज्यों को ऑप्शन भी दिए लेकिन इसके बावजूद ये राज्य इसपर अहसमति जता चुके है। लिहाजा कुछ भी ठोस सामने निकल कर नहीं आ रहा है। दरअसल केंद्र सरकार को हर महीने में 2 बार राज्यों को जीएसटी मुआवजे की किस्त देनी होती है। कोरोना वायरस के चलते लगे लाकडाउन के बाद टैक्स कलेक्शन बेहद कम रही है। सरकार को यह आभास हो चुका है कि वो राज्यों को मुआवजा देने में सक्षम नहीं है। केंद्र सरकार को राज्यों को कम्पेनसेशन सेस के तौर पर 14,000 करोड़ देने पड़ रहे हैं जबकि इस सेस से केंद्र के पास केवल 8000 करोड़ का ही कलेक्शन आ पा रहा है।

1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद नए कानून में यह तय किया गया कि साल 2022 तक राज्यों को राजस्व का जो भी नुकसान होगा, उसकी भरपाई केंद्र सरकार करेगी। गुड्स एंड सर्विसेस (कम्पेनसेशन टू स्टेट्स) अधिनियम 2017 के तहत केंद्र का राज्यों को मुआवज़ा देना अनिवार्य है। इस नियम के तहत केंद्र को राज्यों को उनका मुआवजा देना होता है।। नए नियम बनने के बाद आधार वर्ष 2015-16 को मानते हुए यह तय किया गया कि राज्यों के इस प्रोटेक्टेड रेवेन्यू में हर साल 14 फीसदी की बढ़त को मानते हुए गणना की जाएगी। केंद्र की तरफ से कहा गया कि राज्यों को मिलने वाला सभी मुआवजा जीएसटी के कम्पेनसेशन फंड से दिया जाएगा।

केंद्र और राज्य सरकारों चालू वित्त वर्ष के दौरान माल एवं सेवाकर राजस्व में होने वाले करीब 2।35 लाख करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई को लेकर एक दूसरे के आमने सामने हैं। केंद्र के कैलकुलेशन के हिसाब से इस राशि में से करीब 97,000 करोड़ रुपये की ही राशि है जिसका नुकसान जीएसटी पर अमल की वजह से होगा जबकि शेष 1।38 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान कोविड-19 के प्रभाव की वजह से होगा। राज्य और केंद्र सरकार के बीच मुआवजे को लेकर तो उलझन चल ही रही है। लेकिन इस जीएसटी लागू होने के बाद ऑनलाइन सिस्टम को आम जनता और कारोबारियों का न समझ पाना। वहीं बार बार टैक्स दरों में बदलाव से भी कारोबारी और लोग काफी परेशान हुए है। पेट्रोल-डीजल को अबतक जीएसटी के दायरे से बाहर रखना और जीएसटी बिल के फर्जीवाड़े ने भी खूब समस्या खड़ी की है। जीएसटी एक्ट का सेक्शन 10(1) इस बात की इजाजत देता है कि टैक्स संग्रह की अन्य राशि में से भी राज्यों को मुआवजा दिया जा सकता है। लेकिन वित्त मंत्री के उधार लेने की बात के बाद भी गैर बीजेपी शासित राज्य अपनी सहमति नहीं जता रहे लिहाजा 41वी फिर 42वीं और अब नूतन वर्ष में उम्मीद की जा रही है कुछ हल निकल कर आए। ●

कपड़ें से जुड़े है कई व्यापार, जानिए इनके बारे में विस्तार से

इसका सीधा सा उदाहरण टेडी बेयर को समझें। ऐसे खिलौनों का जोर पकड़ रहा है, जो प्लास्टिक के ना हों और बच्चों को नुकसान न पहुंचाएं। एनवायरनमेंट फ्रेंडली सॉफ्ट टॉय मेकिंग बिजनेस, आपको अच्छे खासे मुनाफे की ओर लेकर जा सकते हैं।

मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में रोटी, कपड़ा और मकान गिना जाता है। यकीन मानिए, दुनिया के किसी भी बिजनेस में मंदी आ जाए, किंतु इन तीन बेसिक जरूरतों और उससे जुड़े बिजनेस में आपको मंदी कम ही देखने को मिलेगी। इसमें अगर आप मकान को निकाल भी दें, तो रोटी और कपड़ा आज भी एवरग्रीन कहा जा सकता है।

कपड़े के बिजनेस की बात करें तो इसमें कई ऑप्शन भी उपलब्ध हैं, जो आप अपनी सुविधा अनुसार शुरू कर सकते हैं। आप एक बड़ा क्लॉथ स्टोर खोल सकते हैं तो किसी बड़े ब्रांड के साथ फ्रेंचाइजी बिजनेस भी शुरू कर सकते हैं। यहां तक कि ऑनलाइन वर्ल्ड में फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे बड़े और सक्सेसफुल प्लेटफॉर्म्स पर सेलर बनकर अपने प्रोडक्ट्स की बिक्री कर सकते हैं या फिर खुद की वेबसाइट या मोबाइल एप्लीकेशन बनाकर अपनी ब्रांडिंग

खुद से भी कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कपड़े का बिजनेस आपको लॉन्ड्री से लेकर ड्राई क्लीनिंग तक के रास्ते में आगे बढ़ा सकता है।

क्लॉथ प्रिंटिंग बिजनेस

अक्सर आपने देखा होगा कि कई सारी टी-शर्ट पर कुछ न कुछ प्रिंटिंग हुआ रहता है। आज के समय में यह बड़ी डिमांड में है। फिलहाल क्रिकेट में आईपीएल चल रहा है और इस प्रकार के किसी इवेंट के समय टी शर्ट प्रिंटिंग का बिजनेस जोरों पर रहता है। सिर्फ आईपीएल ही क्यों, कोई भी इवेंट हो, कोई फंक्शन हो, हर जगह इसका बिजनेस अच्छा खासा फायदा दे सकता है। हालाँकि, इस बिजनेस के लिए आपको प्रिंटिंग मेथड्स को समझना जरूरी है। सामान्य तौर पर इसमें स्क्रीन प्रिंटिंग चलती है और इसके लिए आपको इसे सीखना पड़ेगा। स्थान की बात करें तो इसके लिए कोई बहुत बड़े सेटअप की जरूरत नहीं रहती है, बल्कि छोटे से कमरे में भी आप इसे स्टार्ट कर सकते हैं और इसकी जानकारी आप इंटरनेट पर और यूट्यूब पर प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन टी-शर्ट बिजनेस काफी बड़ा और अट्रैक्टिव बिजनेस है, इस बात में दो राय नहीं है।

बुटीक स्टोर / एंब्रॉयडरी यूनिट

इसमें भी अच्छी खासी पॉसिबिलिटी है कि आप खुद को सेट कर सकें और अच्छा प्रॉफिट भी बना सकें।

बुटीक बिजनेस, जो पहले से ही प्रचलन में है और यह ऐसा बिजनेस है, जिसे महिलाएं भी आसानी से कर लेती हैं। इसके लिए किसी मेन मार्केट में लोकेशन की भी जरुरत नहीं है, बल्कि अपना बुटीक आप अपनी सुविधा अनुसार जहां रहते हैं, वहां भी शुरू कर सकते हैं। अगर ठीक ढंग से आप कपड़े डिजाइन कर पाते हैं, सिल पाते हैं, तो यकीन मानिए बहुत जल्दी आपके पास काम का ढेर लग जाएगा।

इसी प्रकार एंब्रॉयडरी भी आपको अच्छा खासा फायदा दे सकती है। तमाम विशेष मौकों पर यह आपको इतना काम दे देगी, जिसे करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा। विशेष अवसरों जैसे शादी-विवाह या कोई धार्मिक आयोजन इत्यादि। ध्यान रहे, अगर आप काफी अच्छा कार्य कर लेते हैं तो एम्ब्रॉयडरी वर्क के एक्सपोर्ट करने की पॉसिबिलिटी भी होती है और कई सारी कंपनियां एक्सपोर्ट करती भी हैं।

किराए पर देने का क्लॉथिंग बिजनेस

कॉस्टयूम के मामले में यह ज्यादा चलता है। बच्चों के स्कूल में अक्सर ही कोई ना कोई फंक्शन होता रहता है। उस समय इन ड्रेसेज को किराए पर लेने वाले अभिभावक अच्छा पैसा देते हैं। एक सामान्य कॉस्टयूम बनाने में अगर आप की लागत 500 रुपए आती है, तो यकीन मानिए 3 से 4 बार में ही आप की लागत पूरी की पूरी वसूल हो जाएगी और वह कॉस्टयूम अगले 30 बार से अधिक रेंट पर दिया जा सकेगा।

इसमें कुछ खास खतरा भी नहीं होता, क्योंकि कॉस्टयूम किराये पर देने से पहले सिक्योरिटी अमाउंट आप पहले ही जमा करा लेते हैं। अगर ड्रेस में कोई खराबी आती है, तो आप सिक्यूरिटी अमाउंट से उसकी लागत वसूल कर सकते हैं। न केवल बच्चों का, बल्कि शादी विवाह से लेकर तमाम दूसरे फंक्शंस पर भी इस तरह का बिजनेस अच्छा खासा जोर पकड़ रहा है।

कपड़ों के खिलौने / सॉफ्ट टॉयज

इसका सीधा सा उदाहरण टेडी बेयर को समझें। ऐसे खिलौनों का जोर पकड़ रहा है, जो प्लास्टिक के ना हों और बच्चों को नुकसान न पहुंचाएं। एनवायरनमेंट फ्रेंडली सॉफ्ट टॉय मेकिंग बिजनेस, आपको अच्छे खासे मुनाफे की ओर लेकर जा सकते हैं। इसमें इन्वेस्टमेंट भी आपकी कम लगेगी। हालांकि मार्केटिंग करने के लिए आपको विभिन्न दुकानों, होलसेलर इत्यादि से संपर्क करना पड़ेगा। फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का चयन करेंगे तो भी आसानी से आपके टॉयज बिक सकते हैं।

सिजनल कपड़ों का कारोबार

आपने कई बार ध्यान दिया होगा कि आपके शहर में, कस्बे में गर्मियों या सर्दियों में कुछ लोग स्टॉल लगाते हैं और मात्र कुछ समय में ही अच्छी खासी आमदनी कर लेते हैं। ऊनी कपड़ों का मेला के नाम से दो-तीन महीने के बिजनेस में ही वह इतनी प्रॉफिट अर्न कर लेते हैं, जो संभवतः वह पूरे साल में न कमा पाएं। इसी प्रकार से गर्मी के सीजन में, गर्मियों के कपड़े के नाम से सेल लगाई जाती है। इसके लिए आपको संबंधित मार्केट से होलसेल में कपड़े उठाना होता है और अलग-अलग शहरों में सीजनल काम करना होता है। इस तरीके से आप कपड़ों के मामले में अच्छा-खासा प्रॉफिट कमा सकते हैं।

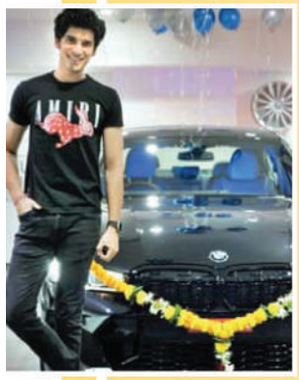

पारस ने खरीदी स्पोर्ट्स कार

पारस कलनावत ने सोशल मीडिया पर अपनी नई गाड़ी के साथ पिक्चर्स भी शेयर की। उन्होंने बताया कि लग्जरी स्पोर्ट्स कार खरीदना दरअसल उनके स्वर्गीय पिता की बकेट लिस्ट में शामिल था। पारस कहते हैं, यह मेरी पहली स्पोर्ट्स कार है और मेरे डैड का सपना सच हो गया है। मुझे कारों से प्यार है, मैं हमेशा चाहता था कि मैं अपने डैड का यह सपना पूरा करूं। जैसे ही मैं इंजन शुरू करता हूं और अपने बालों में लगती हवा को महसूस करता हूं, तो मानो मुझे डैड की आवाज सुनाई देती है, जो वहां ऊपर से मुझे हौसला दे रहे हैं।

रेमो ने किया राम के साथ खुलासा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 3 के कंटेस्टेंट्स कोरियोग्राफर्स के मार्गदर्शन में हुनर दिखा रहे हैं। रेमो डिसूजा कहेंगे, मैं राम को लंबे समय से जानता हूं। वो मेरी फिल्म में बैकग्राउंड डांसर थे, जिसमें मैं खुद भी बैकग्राउंड डांसर था। मैं उसके सफर से वाकिफ हूं। राम और मेरे बीच रिश्ता है। वो भी जब तक कामयाब नहीं होता, घर नहीं जाना चाहता था और मैं भी सफलता मिलने तक घर नहीं जाना चाहता था। राम बताते हैं, मैंने आपको बचपन से देखा है और मुझे पता था कि आपकी मां ने आपको मुंबई आने के लिए 5000 रुपए दिए थे ।

लता मंगेशकर से लेती प्रेरणा

ध्रुति मंगेशकर स्टार भारत के शो 'आशाओं का सवेरा... धीरे धीरे से' में नजर आ रही हैं। ध्रुति 6 साल की उम्र से टेलीविजन इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। वह अभिनय से प्यार करती है और उसी में अपना करियर बनाना चाहती है। ध्रुति मंगेशकर अभी कक्षा 9 में पढ़ रही हैं, वह लता मंगेशकर को अपना आदर्श मानती हैं। ध्रुति कहती हैं, मुझे गायन उतनी ही पसंद है, जितना मुझे एक्टिंग से प्यार है, मैं स्वर्गीय लता मंगेशकर को अपना आदर्श मानती हूं। मेरे माता-पिता गाने हमेशा सुना करते थे और फिर मुझे भी उनके द्वारा गाए गीतों से प्यार हो गया, मैं सुबह-सुबह गाने का अभ्यास करती हूं।

रिया ने गर्मी को मात दी

चिलचिलाती गर्मी में तापमान आसमान छू रहा है। अभिनेताओं को अक्सर गर्मी में भी लंबे समय तक आउटडोर शूटिंग करते देखा जाता है। हाइड्रेटेड रहना महत्वपूर्ण है। रिया शर्मा ने कहा, ग्रीष्म ऋतु अपनी उमस भरी और भयानक गर्मी के लिए प्रसिद्ध है इसलिए मैं हर समय अपने साथ कुछ चीजें जरूर रखती हूं। हमें कठोर गर्मी का सामना करना पड़ा। मैं हाइड्रेटेड रहने के लिए निश्चित रूप से ढेर सारा पानी, जूस और अन्य पेय पदार्थ पीती हूं। गर्मियों में फल और नारियल पानी मेरे सबसे अच्छे दोस्त हैं क्योंकि ये मुझे ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करते हैं।

अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना की गुडबाय

अमिताभ बच्चन, नीना गुप्ता और हिंदी में अपना डेब्यू कर रही रश्मिका मंदाना के साथ विकास बहल द्वारा निर्देशित 'गुडबाय' में, पावेल गुलाटी, एली अवराम और सुनील ग्रोवर भी हैं। नीना गुप्ता ने कहा, जब विकास ने स्क्रिप्ट सुनाई तो मैं खुश हुई लेकिन मेरी आंखों में आंसू भी थे क्योंकि यह प्यार और अपनों को खोने के अनुभव की भावनात्मक कहानी है। अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन स्पेस को साझा करना था। मुझे हमेशा ही उनके साथ काम करने की इच्छा थी और मेरा सपना सच हो गया। पावेल गुलाटी ने कहा, फिल्म मृत्यु के बारे में बात करती है, ऐसी बातों पर खुले तौर पर चर्चा नहीं की जाती है। इसकी वजह से मैं अपनी भावनाओं को बाहर निकाल सका।

चैंपियनिशप का आगाज

'हंप्टी शर्मा की दुल्हनिया', 'धड़क' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' तथा 'गोविंदा नाम मेरा' के बाद निर्देशक शशांक खेतान पिकलबॉल चैंपियनिशप लेकर आ रहे हैं। पारिवारिक मनोरंजन फिल्मों के लिए पहचाने वाले खेतान को खेल, क्रिकेट और टेनिस टूर्नामेंट में दिलचस्पी हैं। खेतान ने 'ग्लोबल स्पोर्ट्स पिकलबॉल चैंपियनिशप' को शुरू करके भारत में एक्टिव रूप से खेल को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया। शशांक कहते हैं, किसी भी चीज को पेश करने के लिए, पहला कदम उसके बारे में जागरूकता पैदा करना होगा। पिकलबॉल का आसान रंग कई संभावनाओं की पेशकश कर सकता है। पहले से ही खेलने वाले खिलाड़ियों का जीवंत समुदाय है, 14-15 साल की उम्र से लेकर 60-70 साल के खिलाड़ियों तक जो बेहद प्रतिस्पर्धी हैं।

अनुराग बसु का 'ऑलमोस्ट प्यार विथ डीजे मोहब्बत'

ऑलमोस्ट प्यार विथ डीजे मोहब्बत नेटफ्लिक्स पर तहलका मचा रही है, अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म में करण मेहता ने चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाया। करण कहते हैं, याकूब का चरित्र हिमाचल में आधारित था इसलिए अलाया और मुझे वहां के लोगों के बोलना पड़ा। करण कहते हैं, हमने सिर्फ अनुराग सर पर भरोसा किया। किरदार इतने अलग थे, जैसे उनका हेयर स्टाइल, उनके चलने का तरीका, बात करने का तरीका, उनकी संस्कृति, पहनावा और यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज भी बहुत चुनौतीपूर्ण था, लेकिन ऐसा महसूस नहीं हुआ।

ऋतिक रोशन ने जंक फूड की बाल्टियां ऑर्डर की

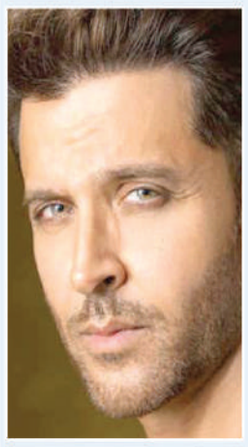

ऋतिक रोशन की धूम 2 से धूम अगेन ने डांस के लिए मिसाल कायम की है। अपने शूट को याद करते हुए, ऋतिक रोशन कहते हैं, धूम 2 का गाना धूम अगेन ऐसे है मानो सब चीजें परफेक्ट हो, एक दूसरे से बस ठीक से जुड़ जाए, गाने से लेकर स्टेप्स और कोरियोग्राफी तक पूरी तरह से फिट हैं। गाना, स्टेप्स और हर चीज लगभग परफेक्ट है। खुद की तारीफ करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं लेकिन हमने इस गाने में जो कुछ भी डाला, वह सब बहुत अच्छा रहा। मुझे उस गाने पर बहुत गर्व है, इसमें बहुत मेहनत लगी है। हमने धूम अगेन को बिना रुके शूट किया। ऐश (ऐश्वर्या राय बच्चन) को फ्लाइट लेनी थी। मैंने सुबह 9 बजे डांस करना शुरू किया और अगली सुबह पैकअप किया इसलिए हमने पूरे दिन, पूरी रात और अगली सुबह शूटिंग की। जैसे ही हमने गाने की शूटिंग पूरी की, मैंने चॉकलेट की बाल्टियां ऑर्डर कीं, मैंने सचमुच इसे बाल्टी में ले आने के लिए कहा। उन्होंने मुझे दो बाल्टी सिर्फ जंक फूड और चॉकलेट दी।

शरमन जोशी ने लिया इलैयाराजा के संगीत का आनंद

पापाराव बियाला द्वारा निर्मित और निर्देशित आगामी इलैयाराजा संगीतमय फिल्म 'म्यूजिक स्कूल' की थियेटेरिकल रिलीज से पहले, विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया, जिसमें पापराव बियाला के अलावा प्रमुख अभिनेता शरमन जोशी भी शामिल हुए। फिल्म में ग्यारह गानों है। श्रिया सरन और शरमन जोशी ग्रेसी गोस्वामी और ओजू बरुआ संगीतमय यात्रा पर ले जाते है। 12 मई को रिलीज से पहले स्कूलों और कॉलेजों के लिए शो की योजना हैं, जिसमें 8 मई को जेएनयू, दिल्ली में स्क्रीनिंग भी शामिल है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु में शूट किया गया है और तमिल में डब किया है।

श्रेनु की स्कूल की यादें

जीटीवी काशो 'मैत्री' में श्रेनुपारिख और भाविका चौधरी के बीच एकअटूट रिश्ता है। शो में आए 6 साल के लीप के बाद सारे रिश्ते पूरी तरह बदल चुके हैं। श्रेनु कहती हैं, गंतव्य सबसे यंग मेंबर हैं, जब से वो हमारी टीम में आया है, तबसे ही हम बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। वो बहुत मेहनती बच्चा है और हर सीन को बड़ी आसानी से कर लेता है। उसके साथ मिलकर स्कूल के पुराने दिनों की यादें ताजा करके बहुत मजा आता है। वो हमेशा हमें यह याद दिलाता है कि अपने अंदर के बच्चे को जिंदा रखें और हर फिक्र से खुद को आजाद कर लें।

काजल ने अनुष्का के साथ खोले राज

स्टार भारत पर प्रसारित होने वाले 'मेरी सास भूत है' शो में भले ही सोम (विभव रॉय) की पत्नी गौरा (काजल चौहान) हैं, लेकिन वो ट्विंकल (अनुष्का श्रीवास्तव) से प्यार करते हैं। दोनों दोस्त कम और बहनें ज्यादा हैं। काजल कहती हैं, हम दोनों ऑनस्क्रीन एक-दूसरे को बिलकुल पसंद नहीं करते हैं जबकि ऑफ स्क्रीन हम दोनों की बहुत बनती है। हम दोनों साथ घूमते हैं, पैम्परिंग सेशन करवाने जाते हैं, सेट पर साथ खाना खाते हैं और एक दूसरे का ख्याल रखते हैं, हमारा रिश्ता दोस्त से ज्यादा बहनों का है और मैं चाहती हैं, कि हमारा याराना इसी तरह चलता रहे। किसी की नजर न लगे।

स्नेहा और काम्या प्रमुख भूमिकाओं में

कलर्स के आगामी शो 'नीरजा...एक नई पहचान' मां-बेटी की जोड़ी के इर्द-गिर्द घूमता है, जो कोलकाता के सोनागाछी से ताल्लुक रखती हैं। स्नेहा वाघ और काम्या पंजाबी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। स्नेहा कहती हैं, मैं प्रोतिमा की भूमिका निभाने को लेकर रोमांचित हूं, जो अपनी बेटी को सबसे अच्छी परवरिश देने का प्रयास करती है। जिस इलाके में मां-बेटी रह रही हैं, वहां चुनौतियां और दुखदाई हकीकत बहुत पेचीदा हैं। काम्या पंजाबी कहती हैं, मेरा किरदार वेश्यालय की मैडम और उसकी बेटी पर नजर रखती है क्योंकि दोनों ही बेहतर जीवन का सपना देखती हैं।

'द नाइट मैनेजर : पार्ट 2'

जॉन ली कैरी के उपन्यास 'द नाइट मैनेजर' के हिन्दी-भाषी रूपांतरण निर्देशन संदीप मोदी ने किया है और इसकी दूसरी निर्देशक हैं प्रियंका घोष। डिज्नी+ हॉटस्टार पर 30 जून को रिलीज

हो रहा है। अनिल कपूर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। उनके उत्साह ने हमें ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। लोग आने वाले ट्विस्ट्स और टर्न्स के गवाह बनें, इसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। आदित्य रॉय कपूर ने कहा, पहले पार्ट की कामयाबी वाकई में शानदार थी, हम बेहद उत्साहित हैं। द नाइट मैनेजर : पार्ट 2 के लिए इंतजार आखिरकार खत्म हुआ और हम सबकी प्रतिक्रियाएं देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सोनाली ने अंजलि को बताया 'शेर बच्चा'

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियाज बेस्ट डांसर में 'बेस्ट का पहला टेस्ट' होगा। कंटेस्टेंट अंजलि ममगई और कोरियोग्राफर आर्यन, 'अपलम चपलम' पर प्रस्तुति देंगे। जज सोनाली बेंद्रे अपनी 'शेर बच्चा' अंजलि के बारे में कहेंगी, यह बहुत बढ़िया एक्ट था। अंजलि में पुराने दौर का जादू है। जब आप मूव करती हैं, आपके एक्सप्रेशंस, आपका चेहरा, आपका ऑडिशन जिसमें आप ढीली स्वेटशर्ट और शॉर्ट्स पहनकर आई थीं, लेकिन जब आप एक्सप्रेस करती हैं, तब आप ब्लैक एंड व्हाइट दौर की खूबसूरत हीरोइन की तरह लगती हैं। आपका डांस मॉडर्न है। यह कॉम्बिनेशन अनोखा है।

जारा को दिलाया ब्रेक

एण्डटीवी की घरेलू कॉमेडी 'हप्पू की उलटन पलटन' में चमची का किरदार निभा रही जारा वारसी ने बतौर बाल कलाकार लंबा सफर तय किया है। जारा ने अपनी सफर पर बेबाकी से बात की। मेरा किरदार अपनी दादी (कटोरी अम्मा) के सबसे करीब है, जिसे हिमानी शिवपुरी अदा कर रही हैं। दादी की असली 'चमची' की तरह है। मैंने कभी अपनी असली दादी को नहीं देखा। उनका निधन मेरे जन्म से पहले ही हो गया था, दादी मां के प्यार और देखभाल की कमी थी, वह मेरी दादी बन गईं। यह एक दिलचस्प कहानी है। मेरे ऑन-स्क्रीन पिता योगेश त्रिपाठी लखनऊ आए थे। उन्होंने मुझे एक्टिंग करने की सलाह दी।

गोडे गोडे चाअ' का ट्रेलर

'कस्मित 2', 'सुर्खी बिंदी', 'पुआड़ा', सोंकन सौंकने' के बाद जी स्टूडियोज पारिवारिक मनोरंजन के साथ फिल्म 'गोडे गोडे चाअ' 26 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। सोनम, तानिया, गीताज, गुरजैज, निर्मल ऋषि नए अवतार में हैं। फिल्म पंजाब में प्रचलित पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों पर कटाक्ष करती है और 'गुड्डियां पटोले' की भारी सफलता के बाद दूसरी बार सोनम बाजवा और तानिया को फिर से मिलाती है। एंड-टू-एंड फैमिली एंटरटेनर है।

पूनम की एंट्री

'क्योंकि तुम ही हो' शो में नए किरदार की एंट्री हो रही है। पूनम जांगड़ा ने कहा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सुनहरे अवसर से कम नहीं है। मुझे यहां घर जैसा महसूस होता है। मेरे लिए गायत्री की भूमिका निभाना किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन बहुत मजा आ रहा है। मैं आने वाले सस्पेंस का खुलासा नहीं कर सकती।

कोरियन ड्रामा 'ह्वारंग'

जिंग टीवी पर कोरियन शो की 'ह्वारंग' की कहानी 8 मई से शाम 6 बजे से शाम 7 बजे तक प्रसारित होगा। यह कोरियन ड्रामा युवा योद्धाओं की कहानी है जो परीक्षणों और कष्टों की एक सीरीज से गुजरते हैं और सच्चे नेता बन जाते हैं। एक्शन के साथ-साथ रोमांस की प्यारी सी झलक मिलेगी। यह शो एक्शन, रोमांस और ऐतिहासिक ड्रामा है। प्रतिभाशाली पार्क ह्युंग सिक, लोकप्रिय के-पॉप मूर्ति चोई मिन हो, है। विश्व स्तर पर जाने जाने वाले सबसे सफल बैंडों में से बीटीएस' वी के अभिनेता दो जी हान है, अत्यंत प्रतिभाशाली अभिनेत्री गो आरा और चो यून-वू, ली दा-इन, यू जे-म्युंग, सेओ ये-जी, किम जैसे अन्य अभिनेताओं को प्रदर्शित करता है।

सिनेमैटोग्राफर बन गए करणवीर

जी टीवी के शो 'रब से है दुआ' में करणवीर शर्मा खतरनाक स्टंट्स आजमा रहे हैं। करणवीर को नए-नए चैलेंजेस लेना अच्छा लगता है। उन्हें सिनेमैटोग्राफर बनकर सीन्स की शूटिंग करना भी पसंद है। करणवीर बताते हैं, आप अनुभव से सीखते हैं और आगे बढ़ते हैं इसीलिए मैं हमेशा नई चीजों में हाथ आजमाने के मौके ढूंढता हूं। कैमरे के सामने रहकर काम करना हमेशा मेरा पैशन है लेकिन मैं कैमरे के पीछे रहकर भी कुछ करना चाहता था। मैंने इससे पहले भी म्यूजिक वीडियो डायरेक्ट किया है लेकिन खुद के शो में किसी सीक्वेंस को कवर करना खास एहसास है। मैं उत्सुक था कि हमारे डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी मुश्किल से मुश्किल सीन्स इतनी आसानी से कैसे कवर कर लेते हैं।

सत्ता का निर्णायक संघर्ष

सत्ता की भूख, बेवफाई और सिंहासन पर आरोहण की कहानी हॉटस्टार स्पेशल्स' सिटी ऑफ ड्रीम्स के तीसरे सीजन में वापसी कर रहा है। इस सीरीज को नागेश कुकुनूर ने निर्देशित किया है। इसमें अतुल कुलकर्णी, प्रिया बापट, सचिन पिलगांवकर, सुशांत सिंह, एजाज खान, रणविजय सिंह नजर आएंगे। कुकुनूर ने कहा, इसमें हर किरदार स्वयं की खोज करने के अपने सफर पर हैं, जो उत्तराधिकार के लिए इस दिलचस्प संघर्ष के लिए साथ आते हैं। जटिल किरदार, पारस्परिक संबंध और कुछ अपेक्षित मोड़, राजनीति में सत्ता की निर्णायक लड़ाई बनाएंगे।

अभिमन्यु बच्चों से मिला

निकलोडियन के 12वें घरेलू आईपी- अभिमन्यु की एलियन फैमिली- से अभिमन्यु पृथ्वी से खुद को अवगत करने और जानने के लिए राजधानी दिल्ली पहुंचा। अभिमन्यु को शहर, इसकी संस्कृति, विरासत, पसंदीदा स्थानों और आकर्षणों की खोज करते देखा गया। टिनी टॉट्स ने 'वैलकम टू अर्थ' पार्टी का आयोजन किया। बच्चे एलियन की पोषाक पहने हुए थे और खुले दिल से अभिमन्यु का स्वागत कर रहे थे ताकि उसे अपने घर जैसा ही अहसास मिले। टिनी टॉट्स ने अपनी रचनात्मकता और कल्पना का जीवन कैसा होता है। जो पृथ्वी पर जीवन और अनोखी संस्कृतियों के बारे में जानने के लिए यहां आए हैं। ये एलियन किस प्रकार मानवों के साथ घुलने-मिलने, उन्हें दोस्त बनाने, अपनी पहचान छिपाने और विपरीत परिस्थितियों एवं खतरों को जीतने की कोशिश करते हैं।

मैं मिरांडा प्रीस्टली से प्रेरित हूं : बेनाफ

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'सपनों की छलांग' में मेघा रे मुख्य किरदार, बेनाफ दादाचंदजी राधिका की बॉस प्रियल मेहता का रोल निभा रही हैं। बेनाफ कहती हैं, प्रियल को बकवास बिल्कुल पसंद नहीं है। वो काफी बिजनेस माइंडेड हैं और बहुत सख्ती से पेश आती हैं। 'द डेविल वियर्स प्राडा' में मेरिल स्ट्रीप द्वारा निभाए गए किरदार मिरांडा प्रीस्टली के किरदार एंडी को नौकरी से निकालती हैं। वो बड़ा पावरफुल मोमेंट था क्योंकि इसमें उनका बर्ताव बर्फकी तरह कूल था लेकिन उनके शब्द छुरी की धार जितने तेज थे। मैं इसी खूबी को किरदार में उतारना चाहती थी। प्रियल मुंबई की कड़वी सच्चाई दिखाती हैं कि किसी को भी रातों-रात सफलता नहीं मिलती, यह बहुत मुश्किल से हासिल होती है।

इराक में सुरक्षा बल ने तीन आईएस आतंकवादी किए ढेर

बगदाद, (एजेंसी)। इराक के उत्तरी प्रांत निनेवेह में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के तीन आतंकवादी मारे गए हैं। सरकार समर्थित हश्द शाबी अर्धसैनिक बल ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि अर्धसैनिक इकाई ने प्रांत के हटरा शहर के पास आईएस के एक ठिकाने पर धावा बोल दिया और तीन आतंकवादियों को मार गिराया। इराकी संयुक्त अभियान कमान से संबद्ध एक मीडिया आउटलेट, सिक्योरिटी मीडिया सेल की ओर से जारी बयान के मुताबिक उत्तरी प्रांत किरकुक में, सेना ने बगदाद से लगभग 250 किमी उत्तर में प्रांतीय राजधानी किरकुक के दक्षिण-पश्चिम में बीहड़ वाडी अल-शाय क्षेत्र में गुरुवार को हवाई हमले से नष्ट किए आईएस ठिकाने की सुबह तलाशी ली। सिक्योरिटी मीडिया सेल ने कहा कि सैनिकों को तीन आईएस आतंकवादियों के शव तथा गोला-बारूद और हथगोले मिले।

जापान में भूकंप से एक की मौत, 20 लोग घायल

टोक्यो, (एजेंसी)। जापान के इशिकावा प्रांत में आए भूकंप से व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। जापान के मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार इशिकावा में शुक्रवार दोपहर में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 मापी गई। भूकंप का उपकेंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई थी। क्योदो समाचार एजेंसी ने बताया कि भूकंप के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक अन्य घायल हो गए। एनएचके ब्रॉडकास्टर ने कहा कि सीढ़ी से गिरने वाले एक व्यक्ति के मारे जाने की पुष्टि हुई है, जबकि 22 अन्य लोग घायल हुए हैं।

कोच्चि तट पर आईएनएस मगर को किया सेवामुक्त

कोच्चि, (एजेंसी)। केरल के कोच्चि में आईएनएस मगर को सेवामुक्त कर दिया। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सेवामुक्त समारोह यहां नौसेना बेस पर आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल एमए हम्पिहोली, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी नौसेना कमान थे। समारोह शनिवार शाम को 5.30 से 7.30 बजे के बीच साउथ जेट्टी, नौसेना बेस में आयोजित किया गया।

केटीआर ने रखी लीथियम सेल निर्माण इकाई की आधारशिला

महबूबनगर, (एजेंसी)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री केटी रामा राव (केटीआर) ने शनिवार को महबूबनगर जिले के दिविति‌पल्ली गांव में लीथियम सेल एवं बैटरी पैक निर्माण इकाई के लिए अमारा राजा के गीगा कॉरिडोर की आधारशिला रखी। श्री केटीआर ने इस अवसर पर कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के बाद से अमारा राजा समूह क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ लोगों को एकजुट करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग कोई भी हो, हर निवेश के पीछे उद्योग जगत की टीम की कड़ी मेहनत होती है। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना में बिना रिश्वत के पारदर्शी तरीके से उद्योगों को आकर्षित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है हालांकि, अमारा राजा बैटरी संयंत्र की घोषणा के बाद देश के आठ राज्यों ने इसके लिए प्रतिस्पर्धा की। तेलंगाना के उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और औद्योगिक भूमि के साथ पानी की बेहतर उपलब्धता निवेश को आकर्षित करने में राज्य की सफलता का कारण रही है।

कांगो : बाढ़ बनी काल 200 से ज्यादा लोगों की मौत लगा लाशों का ढेर

- भारी बारिश में ढह गईं कई इमारतें
- 100 लोग अभी भी बताए गए हैं लापता
- जमीन में धंसे लोगों के घर और सामान

कांगो (एजेंसी)। देश के पूर्वी लोकतांत्रिक गणराज्य में अचानक आई बाढ़ में करीब 227 लोगों की मौत हो गई है। भारी बारिश की वजह से इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। हालात ये हैं कि लोगो को बचाने के साथ-साथ, सहायक कर्मी शवों को भी खोज रहे हैं। वहां मिट्टी में लिपटे शवों के ढेर लग गए हैं। एजेंसी के मुताबिक, दक्षिण किवु प्रांत के कालेहे इलाके में गुरुवार को हुई बारिश की वजह से नदियां उफान पर आ गईं, जिससे बुशुशु और न्यामुकुबी गांव जलमग्न हो गए। दक्षिण किवु के गवर्नर थियो नवाबिद्जे कासी के मुताबिक, मरने वालों की संख्या 176 है, ये बढ़ भी सकती है। उन्होंने कहा कि करीब 100 लोग अभी भी लापता हैं। एक स्थानीय सिविल सोसाइटी के सदस्य कसोल मार्टिन का कहना है कि अब तक 227 शव बरामद किए गए हैं।

मार्टिन ने कहा कि लोग खुले में सो रहे थे। स्कूल और अस्पताल सब कुछ बह गए हैं। शुक्रवार को, जो लोग बच गए थे, वे थके-हारे एक लकड़ी के शेड के बाहर खड़े थे, जिसमें रेड क्रॉस के कार्यकर्ता बाढ़ में मारे गए लोगों के शव एक-दूसरे के ऊपर रख रहे थे। ज्यादातर शवों पर कपड़े नहीं थे, तेज बहाव के चलते शरीर से कपड़े उतर गए थे और अब शरीर सिर्फ मिट्टी से लथपथ थे। इस क्षेत्र के हालात काफी खराब हैं। यहां से आ रही तस्वीरों में तबाही साफ देखी जा सकती है।

लंदन में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

हर हिंदुस्तानी को बनना होगा भारत का राजदूत, हमारा कोई सानी नहीं

लंदन ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लंदन में कहा कि भारत को अपने 3.2 करोड़ विश्वव्यापी प्रवासियों पर गर्व है और इन्हें अपने राजदूतों के रूप में राष्ट्र के बारे में निराधार आख्यानों का विरोध करना जारी रखना चाहिए। लंदन में वेस्टमिंस्टर एब्बे में महाराजा चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक में भाग लेने दो-दिवसीय यात्रा पर ब्रिटेन गए धनखड़ ने अपने संबोधन में भारत की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों और इसकी सफलता की कहानी बयां की तथा कहा कि भारत के लोकतंत्र की कोई सानी नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के अमृत काल की उपलब्धियों के बारे में बात की और भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष की अवधि को चिह्नित किया। उन्होंने भारत के दशक के अंत तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सरकार के लक्ष्य पर प्रकाश डाला। धनखड़ ने कहा कि भारत के लिए गौरव का क्षण आ गया है और वह क्षण जमीनी हकीकत से परिलक्षित हो रहा है। दुनिया इसे पहचान रही है। उन्होंने लोगों से कहा कि आप में से प्रत्येक को भारत का पल-पल का राजदूत बनना होगा। भारत अब विश्व के लिए विनिर्माण गतिविधि का केंद्र है।

ताजपोशी में 100 देशों के राष्ट्राध्यक्ष

उपराष्ट्रपति ने राज्याभिषेक समारोह से पहले चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। राज्याभिषेक समारोह शनिवार को वेस्टमिंस्टर एबे में हुआ। धनखड़ के साथ उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी ब्रिटेन पहुंचीं। ब्रिटेन के नए शासक की ऐतिहासिक ताजपोशी में करीब 100 देशों के राज्याध्यक्षों या शासनाध्यक्षों के शामिल रहे। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने ट्वीट किया कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और डॉ. सुदेश धनखड़, महाराज चार्ल्स तृतीय के राज्याभिषेक समारोह में शामिल होने के लिए लंदन पहुंचे।

बकिंघम पैलेस में की भारतीय समुदाय और भारतीय मूल के सांसदों के साथ बातचीत

लंदन, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारतीय मूल के सांसदों के साथ बातचीत की। श्री धनखड़ ने शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सनक की पत्नी अक्षता मूर्ति, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डॉ. सिल्वा और इजरायली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग के साथ भी बात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट किया कि भारत और ब्रिटेन के बीच संबंध जीवित पुल से जुड़ने के समान है। वीपी जगदीप धनखड़ ने लंदन, ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत की। श्री धनखड़ ने समाज में उनके योगदान और भारत-ग्रेट ब्रिटेन संबंधों को मजबूती देने के लिए समुदाय के सदस्यों की सराहना की। ब्रिटेन की संसद के भारतीय मूल के सदस्यों के साथ श्री धनखड़ की मुलाकात पर प्रवक्ता ने कहा कि श्री जगदीप धनखड़ ने विभिन्न दलों से संबंधित ब्रिटेन के संसद के भारतीय मूल के सदस्यों के साथ बातचीत की। द्विपक्षीय संबंधों के कई पहलुओं पर चर्चा हुई। उपराष्ट्रपति ने दोनों देशों को करीब लाने में सांसदों द्वारा दिए गए समर्थन की सराहना की।

यूक्रेन : बखमुत शहर पर रूस ने किया फास्फोरस बम से हमला

कीव, (एजेंसी)। रूस के साथ एक वर्ष से अधिक समय से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन ने रूस पर चारों तरफ से घिरे बखमुत शहर पर फॉस्फोरस बमों से हमला करने का आरोप लगाया है। यूक्रेन की सेना द्वारा जारी किए गए ड्रोन फुटेज के हवाले से बताया कि इसमे बखमुत शहर को जलते हुए देखा जा सकता है और ऐसा प्रतीत होता है कि शहर पर सफेद फास्फोरस की बारिश हो रही है।

सफेद फास्फोरस हथियारों पर प्रतिबंध नहीं है, लेकिन नागरिक क्षेत्रों में उनका उपयोग युद्ध अपराध माना जाता है। यह तेजी से फैलने वाली आग पैदा करते हैं जिसे बुझाना बहुत मुश्किल होता है। रूस पर पहले भी इनका इस्तेमाल करने के आरोप लगते रहे हैं। संदिग्ध रणनीतिक महत्व के बावजूद रूस महीनों से बखमुत पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। पश्चिमी रक्षा विशेषज्ञों का अनुमान है हमले में रूस के हजारों सैनिक मारे हैं। यूक्रेन रक्षा मंत्रालय ने ट्विटर के जरिये कहा कि फॉस्फोरस हमले ने आग लगाने वाले गोला-बारूद के साथ बखमुत के निर्जन क्षेत्रों को निशाना बनाया। कीव के विशेष बल ने कहा मास्को की सेना शहर को नष्ट करने का काम कर रही है। फुटेज में यह साफ नहीं है कि वास्तव में कथित हमला कब हुआ।

रूस ने दागी हाइपरसोनिक मिसाइल यूक्रेन ने किया डिफेंस सिस्टम से ढेर

रूस यूक्रेन युद्ध के बीच राजधानी कीव पर हमले के दौरान पहली बार यूक्रेनी वायु रक्षा ने एक रूसी हाइपरसोनिक मिसाइल को मार गिराया है। वायु सेना ने रूस की लंबी दूरी के हवाई हमलों के अभियान को एक बड़ा झटका दिया है। किंजल का अर्थ रूसी भाषा में डैगर है। 2018 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा अनावरण किए गए छह अगली पीढ़ी हथियारों में से इसे एक माना जाता है।

दिल्ली एलजी को सुकेश का खत, जांच कराएं सबूत दूंगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मंडोली जेल में मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने फिर जेल से उपराज्यपाल वीके सक्सेना को चिट्ठी लिखकर दावा किया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले के फर्नीचर से लेकर क्रॉकरी तक के लिए पैसे उसने दिए हैं।

सुकेश ने उपराज्यपाल से केजरीवाल के आवास के निर्माण पर हुए खर्च की जांच कराने की मांग की है, ताकि सच सामने आ सके। मुख्यमंत्री के बंगले के पुनर्निर्माण को लेकर चल रहे चर्चे के बीच सुकेश की चिट्ठी ने विवाद को हवा दे दी है। उसने चिट्ठी में लिखा है कि उनके फोटो को व्हाट्सएप और फेस टाइम चैट के जरिए मुख्यमंत्री और जैन के मोबाइल पर भेजा था। उसने कई फर्नीचर खरीदने का दावा किया। उसने लिखा है कि विजनायर 12 सीटर डाइनिंग टेबल कीमत 45 लाख रुपए का है, जिसका रंग ऑलिव ग्रीन है।

विजनायर ड्रेसिंग टेबल केजरीवाल और उनके बच्चों के रूम के लिए है जिसकी कीमत 34 लाख रुपए है। विजनायर के 07 आईने कीमत 18 लाख, रग्स, बेडस्प्रेड्स और तकिए कुल 30 पीस जो राल्फ लॉरेन के हैं, इसकी कीमत 28 लाख है। पामराई की तीन दीवार घड़ियां 45 लाख की हैं।

मंत्री रिजिजू ने लव इन नाइनटीज का ट्रेलर लॉन्च किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को यहां नेशनल मीडिया सेंटर में तपन नटम द्वारा निर्देशित फिल्म 'लव इन नाइनटीज़ का ट्रेलर लॉन्च किया। यह फिल्म अरुणाचल प्रदेश में टैगिन समुदाय पर आधारित है। यह समुदाय इस सीमांत राज्य की प्रमुख जनजातियों में से एक है।

ट्रेलर को तपन और प्लेबैक सिंगर मोहित चौहान की मौजूदगी में लॉन्च किया गया। बॉलीवुड मेगास्टार सलमान खान ने भी फिल्म के लिए एक वीडियो संदेश साझा किया। निर्देशक तपन ने कहा दिल्ली में टैगिन फिल्म का पहला ट्रेलर लॉन्च है। यह मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है।

यूपी बोर्ड से नए सत्र में नया सवेरा का प्रारूप जारी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई के साथ भविष्य में अपने को और अपडेट रखने के लिए एक नई पहल की है। बच्चों को संस्कारवान एवं रोजगार उन्मुख बनाने के लिए कॉलेजों में प्रातःकालीन सभा में प्रेरणादायक कार्यक्रम का प्रारूप तैयार किया है।

प्रारंभिक स्तर पर प्रदेश के सभी जिलों के राजकीय इंटर कॉलेजों एवं सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में इसकी शुरूआत की जा रही है। सभी शिक्षाधिकारियों से कहा गया है कि वे इन स्कूलों की प्रातःकालीन सभाओं में पहुंचें और बच्चों को प्रेरणादायक संस्मरण के साथ उनको भविष्य में क्या करना है इसके लिए प्रेरित करें। इन प्रातःकालीन सभाओं में गुणवतापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगिता के इस दौर में वह कैसे सफल हो इस पर फोकस रहेगा। स्कूलों के पुरा मेधावी छात्रों को भी इन प्रातःकालीन सभाओं में आमंत्रित किया जाएगा ताकि वह भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बन सकें। बोर्ड सचिव दिब्यकांत शुक्ल ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज में सुबह पहुंचकर इसकी शुरूआत की।

यूपी बोर्ड नित नए प्रयोग कर रहा है। इस बार के शानदार परीक्षा आयोजन के बाद बोर्ड ने 'नए सत्र में नया सवेरा' एजेंडे के तहत एक कार्यक्रम तैयार किया है।

आज का इतिहास

- **1834:** ईस्ट इंडिया कम्पनी ने कुर्ग राज्य पर कब्जा किया।
- **1907:** बंबई (मुंबई) में बिजली से चलने वाली ट्राम कार चलाई गई।
- **1928:** ब्रिटेन में महिलाओं की वोट देने की उम्र 30 वर्ष से घटाकर 21 की गई।
- **1976:** एलेक्जेंडर ग्राहम बेल को अपने आविष्कार का पेटेंट मिला जिसे उन्होंने टेलीफोन (दूरभाष) का नाम दिया।
- **2001:** पोप जॉन पॉल सीरिया के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे और वहां लोगों ने बांहें फैलाकर स्वागत किया।
- **2012:** व्लादिमीर पुतिन ने छह वर्ष के कार्यकाल के लिए तीसरी बार रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।
- **2015:** ब्रिटेन के आम चुनाव में डेविड कैमरून फिर से प्रधानमंत्री बने। उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला।
- **2020:** देश में कोविड-19 से संक्रमण के मामले 56,000 के पार पहुंचे। मृतक संख्या 1,800 से पार हुई।

मुख्तार वीसी से शामिल वकील ने पूरी की दलील

वाराणसी, (ब्यूरो)। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) अवनीश गौतम की अदालत में लंबित चर्चित अवधेश राय हत्याकांड में आरोपित पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के खिलाफ शनिवार को भी सुनवाई हुई। इस दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ताराचंद ने अपनीबहस पूरा की, जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी की बहस अभी जारी है। जिसके बाद अदालत ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि 11 मई नियत कर दी।

अंसारी के खिलाफ अब 11 को सुनवाई

बता दें कि लहुराबीर क्षेत्र में तीन अगस्त 1991 को अवधेश राय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसे लेकर मृतक के भाई पूर्व विधायक अजय राय ने मुख्तार अंसारी, पूर्व विधायक अब्दुल कलाम, राकेश न्यायिक समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मुकदमे में मुख्तार अंसारी की ओर से उनके अधिवक्ता ताराचंद व श्रीनाथ त्रिपाठी द्वारा बहस की जा रही है। शनिवार को प्रयागराज जनपद से आए मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता ताराचंद ने अपनी बहस पूरी किया। जबकि बचाव पक्ष के स्थानीय अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी की बहस जारी है। मुख्तार अंसारी ने बांदा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश होकर बहस सुनकर बीच-बीच में अपनी बात न्यायालय व अपने अधिवक्ता के समक्ष रखी।

एक लाख का इनामी अंसारी का करीबी जुगनू गिरफ्तार

चंडीगढ़, (ब्यूरो)। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए, यूपी के कुख्यात गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के करीबी साथी हरविंदर सिंह उर्फ जुगनू वालिया को गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। जुगनू वालिया पर हत्या, हत्या का प्रयास और जबरन वसूली के कई मामले दर्ज हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। जुगनू की गिरफ्तारी के लिए यूपी पुलिस ने भी उस एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया हुआ है।

डीजीपी ने ट्वीट में लिखा- जुगनू के कब्जे से एक पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस, विदेशी करेंसी और एक कार बरामद की है।

मणिपुर : पटरी पर लौट रही जिंदगी, इंफाल दिखा शांत, 11 सौ लोगों ने ली शरण

आरक्षण की आग में 54 लोगों ने गंवाई जान

सिलचर, (एजेंसी)। मणिपुर में हो रही हिंसा के कारण जिरिबाम जिले और आसपास के इलाकों से 1,100 से अधिक लोग असम के कछार जिले में प्रवेश करने के लिए अंतरराज्यीय सीमा पार कर चुके हैं। इसके अलावार अब तक इस हिंसा की आग की चपेट में आकर करीब 54 लोगों ने जान जा चुकी है। अधिकारियों ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी है।

अधिकारियों के मुताबिक अधिकांश प्रवासी कुकी समुदाय से हैं और उन्हें डर है कि मणिपुर में उनके घरों को नष्ट कर दिया गया है। वे सभी ने अपनी जान बचाने के लिए असम के कछार जिला में शरण लिया है। 43 वर्षीय जिरीबाम निवासी एल मुंगपु ने कहा कि गुरुवार को लगभग 10 बजे थे, जब हमने अपने क्षेत्र में चीखें सुनी और हमें यह महसूस करने में चंद मिनट लगे कि हम पर हमला हुआ है। उपद्रवी हम पर पथराव कर रहे थे, हमें धमकी दे रहे थे और कहा कि यह उनका अंतिम युद्ध है। एक अन्य निवासी, 24 वर्षीय वैहसी खोंगसाई, जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने घर से भाग गई थी, ने कहा कि उनके क्षेत्र में एक शांति बैठक हुई और मैतेई और कुकी दोनों समुदायों ने एक-दूसरे को रक्षा करने का आश्वासन दिया।

क्षेत्र में किए गए सेना के हेलिकॉप्टर तैनात

इंफाल, (एजेंसी)। मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और सेना के हेलीकॉप्टरों को जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में हवाई निगरानी के लिए लगाया गया है, जबकि सेना, असम राइफल्स और अन्य केंद्रीय अर्धसैनिक बल संकटग्रस्त जिलों में चौबीसों घंटे निगरानी कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों ने कहा कि मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में शनिवार सुबह से ही सेना द्वारा चीता हेलीकॉप्टरों का उपयोग कर कई दौर की हवाई निगरानी की जा चुकी है। जारी संकट एक नया सुरक्षा आयाम पैदा कर सकता है क्योंकि भारत-म्यांमार सीमा पर शिविरों में रहने वाले विद्रोही समूह राज्य में सामान्य स्थिति बहाल के व्यापक प्रयासों के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं।

लियोनल मेसी को सालाना 3267 करोड़ का ऑफर

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर को सऊदी अरब के क्लब ने दिया दुनिया का सबसे महंगा फुटबॉलर बनने का मौका

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को सऊदी अरब के क्लब अल हिलाल ने क्लब से जुड़ने के लिए बड़ा ऑफर दिया है। मेसी इस वक्त पीएसजी क्लब के लिए खेल रहे हैं। जून में क्लब के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त हो जाएगा। बता दें कि सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने लियोनल मेसी को अगले सत्र में जुड़ने के लिए आधिकारिक प्रस्ताव भेजा है। मेसी का वर्तमान क्लब पीएसजी के साथ जून में अनुबंध समाप्त हो रहा है। विश्व कप विजेता टीम अर्जेंटीना के कप्तान के एक निकटतम सूत्र ने यह जानकारी दी है। सूत्र ने बताया कि अब तक सिर्फ सऊदी अरब के क्लब की ओर से मेसी को आधिकारिक प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, अर्जेंटीना के स्थानीय मीडिया के अनुसार मेसी को अल हिलाल ने हर वर्ष के लिए 3267 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा है। इसका तात्पर्य यह है कि अगर मेसी यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेते हैं तो वे सबसे महंगे फुटबॉलर बन जाएंगे।

बार्सिलोना और अमेरिका का इंटर मियामी क्लब भी लगा है होड़ में

इधर, मेसी को उनके लड़कपन के क्लब बार्सिलोना की ओर से भी टीम में शामिल होने के संकेत दिए गए हैं, जबकि अमेरिका की मेजर लीग सॉकर के क्लब इंटर मियामी ने भी मेसी से संपर्क किया है। वहीं, वर्तमान क्लब पीएसजी ने मेसी को बिना पूर्व सूचना के सऊदी अरब जाने के लिए दो सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया है। साथ ही इसके साथ ही जून में उनके अनुबंध के विस्तार पर विराम लग गया है।

वर्तमान में रोनाल्डो को मिलते हैं सबसे ज्यादा सालाना 1797 करोड़ रुपए

वर्तमान में सऊदी अरब के क्लब अल नस्त्र के साथ पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो सबसे महंगे फुटबॉलर हैं। वे सऊदी अरब के क्लब के साथ 1797 करोड़ रुपए के वार्षिक अनुबंध से जुड़े हैं।

आईपीएल डायरी

चेन्नई में शनिवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच का लुत्फ लेने चेपॉक स्टेडियम पहुंचीं महेंद्र सिंह धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा।

जूनियर मलिंगा पथिराना से हारी MI

आईपीएल सीजन 16: चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई को छह विकेट से हराया

चेन्नई। जूनियर मलिंगा कहे जाने वाले मथीशा पथिराना (15/3) की घातक गेंदबाजी के बाद डेवोन कॉन्वे की 44 रन की पारी से चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल सीजन 16 के एकतरफा मुकाबले में शनिवार को मुंबई इंडियन्स को छह विकेट से मात दी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई के सामने 140 रन का लक्ष्य रखा। चेन्नई ने यह लक्ष्य 17.4 ओवर में हासिल कर लिया।

बता दें कि 20 वर्षीय पथिराना का गेंदबाजी एक्शन शत प्रतिशत यार्कर किंग व दिग्गज गेंदबाज लसिथ मलिंगा से मिलता है। चेपक की धीमी पिच पर नेहाल वढेरा (51 गेंद, 64 रन) के अलावा मुंबई का कोई बल्लेबाज टिककर बल्लेबाजी नहीं कर सका। इस युवा बल्लेबाज ने सूर्यकुमार यादव और ट्रिस्टन स्टब्स के साथ दो अर्द्धशतकीय साझेदारियां करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। यह स्कोर हालांकि चेन्नई को हराने के लिए काफी नहीं था। कॉन्वे ने 42 गेंद पर चार चौकों के साथ 44 रन की जिम्मेदारी भरी पारी खेलकर मेजबान टीम को जीत तक पहुंचा दिया। चेन्नई 11 मैचों में छह जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है, जबकि मुंबई 10 मैचों में पांच जीत और पांच हार के साथ छठे स्थान पर है। मुंबई ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए कैमरुन ग्रीन, ईशान किशन और रोहित शर्मा के विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद वढेरा और सूर्यकुमार ने पारी को संभाला।

रोहित शर्मा बने जीरो के हीरो, बनाया अनोखा रिकॉर्ड

मुंबई इंडियन्स के कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने शनिवार को आईपीएल में सबसे ज्यादा बार शून्य रन पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोहित चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान तीन गेंद पर शून्य रन बनाकर दीपक चाहर का शिकार हो गए। यह आईपीएल में रोहित का 16वां जीरो स्कोर है, जिसके बाद उन्होंने सुनील नरेन, मनदीप सिंह और दिनेश कार्तिक (15) को पीछे छोड़ दिया। गौरतलब है कि रोहित टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा शून्य रन बनाने वाले भारतीय भी हैं। इस सूची में उनके सबसे करीबी कार्तिक हैं।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
कैमरन ग्रीन बो. तुषार	06	04	1/0
ईशान कै. थीक्षणा बो. चाहर	07	09	1/0
रोहित शर्मा कै. जडेजा बो. चाहर	00	03	0/0
नेहाल वढेरा बो. पथिराना	64	51	8/1
सूर्यकुमार यादव बो. जडेजा	26	22	3/0
स्टब्स कै. जडेजा बो. पथिराना	20	21	2/0
डेविड कै. गायकवाड़ बो. तुषार	02	04	0/0
अरशद कै. गायकवाड़ बो. पथिराना	01	02	0/0
जोफ्रा आर्चर नाबाद	03	02	0/0
पीयूष चावला नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 20 ओवर में आठ विकेट पर 139 रन **विकेट पतन:** 1-13, 2-13, 3-14, 4-69, 5-123, 6- 127, 7-134, 8-137 **गेंदबाजी:** दीपक चाहर 3-0-18-2, तुषार देशपांडे 4-0-26-2, रवींद्र जडेजा 4-0-37-1, मोईन अली 1-0-10-0, महीश थीक्षणा 4-0-28-0, मथीक्षा पथिराना 4-0-15-3,

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
ऋतुराज कै. किशन बो. चावला	30	16	4/2
डेवन कॉन्वे पगबाधा मधवाल	44	42	4/0
अजिंक्य रहाणे पगबाधा चावला	21	17	1/1
अंबती रायुडू कै. गोयल बो. स्टब्स	12	11	0/1
शिवम दुबे नाबाद	26	18	0/3
एमएस धोनी नाबाद	02	03	0/0

अतिरिक्त: 5, **कुल:** 17.4 ओवर में चार विकेट पर 140 रन **विकेट पतन:** 1-46, 2-81, 3-105, 4-130, **गेंदबाजी:** कैमरन ग्रीन 1-0-10-0, जोफ्रा आर्चर 4-0-24-0, अरशद खान 1.4-0-28-0, पीयूष चावला 4-0-25-2, राघव गोयल 4-0-33-0, ट्रिस्टन स्टब्स 2-0-14-1, आकाश मधवाल 1-0-4-1 ।

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस 511

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
10	84	56.78	40	29	5	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	डेवोन कॉन्वे	11	458	92*	57.25	54	13	5	0
3	यशस्वी	10	442	124	44.20	57	19	3	1
4	विराट कोहली	10	419	82*	46.56	39	11	6	0
5	ऋतुराज	11	384	92	42.67	27	21	2	0

पर्पल कैप

1 तुषार देशपांडे 19 विकेट

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
11	19	10.33	45/3	0/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	मो. शमी	10	18	11/4	7.02	1/0
3	राशिद खान	10	18	14/3	8.05	0/0
4	पीयूष चावला	10	17	22/3	7.17	0/0
5	अर्शदीप सिंह	10	16	29/4	9.80	1/0

Filmi तड़का

बिपाशा

आठ सालों से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं

लगातार चार फ्लॉप फिल्में, तबाह हो गया करिअर

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु का फिल्मी करिअर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा और आज आलम ये है कि वे पिछले 8 सालों से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। आपको बता दें उनकी आखिरी फिल्म 2015 में आई थी, जिसके बाद उनकी एक भी फिल्म भी नहीं आई। हां, साल 2018 में आई एक फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क में कैमियो करते जरूर नजर आई थीं। बॉलीवुड में बिपाशा बसु का नाम उनके शुरुआती फिल्मी करिअर में मशहूर अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल था। वैसे तो उन्होंने कई हिट फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दी हैं, लेकिन हिट से ज्यादा उनके नाम फ्लॉप और डिजास्टर फिल्में रहीं। वहीं 2013 से 2015 तक उन्होंने लगातार 4 फ्लॉप फिल्मों में काम किया, जिसके बाद उनका करिअर भी तबाह हो गया और फिर उनकी बॉलीवुड में वापसी नहीं हो पाई।

72 की उम्र में ऐसी फिटनेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर फिल्मों के साथ-साथ अपनी फिटनेस को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहते हैं। कई एक्टर ऐसे हैं, जो काफी वक्त से वर्कआउट करते हुए आ रहे हैं और खुद की फिटनेस को शानदार बना लिया है। उनमें से एक अभिनेता शरत सक्सेना भी हैं। शरत सक्सेना की गिनती बॉलीवुड के शानदार कलाकारों में होती हैं। उन्होंने फिल्म मिस्टर इंडिया से लेकर बजरंगी भाईजान तक, अपने हर के किरदार से खूब सुर्खियां बटोरी हैं। फिल्मों के अलावा शरत अपनी फिटनेस और बॉडी लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। वे 72 साल के हैं, लेकिन इस उम्र में भी शरत खुद को फिट रखने के लिए जिम में जमकर पसीना बहाते हैं।

वायरल हो रही डोले वाली तस्वीर

फिल्म टीपू का टीजर जारी, सुल्तान का दिखा विकृत चेहरा

नई दिल्ली। फिल्म टीपू का टीजर जारी हो गया है। टीजर के आते ही सोशल मीडिया पर विवाद भी शुरू हो गया है। दरअसल, यह फिल्म किंग ऑफ मैसूर टीपू सुल्तान पर आधारित है। यूं तो कई किताबों में टीपू सुल्तान की उपलब्धियों के बारे में बताया गया है। बच्चों को हिस्ट्री में पढ़ाया गया है कि कैसे टीपू सुल्तान ने ब्रिटिश शासन को उखाड़ने के लिए लड़ाई लड़ी। लेकिन, प्रोड्यूसर संदीप सिंह ने अपनी फिल्म में टीपू सुल्तान को हिंदू धर्म विरोधी बताया है। उन्होंने फिल्म के टीजर के जरिए यह दावा किया है कि टीपू सुल्तान ने अपने समय में 8000 हिंदू मंदिरों को नष्ट कराया था। इतना ही नहीं, टीपू सुल्तान ने लाखों हिंदुओं का धर्म भी भ्रष्ट कराया। मेकर्स ने फिल्म के टीजर में पहले टेक्स्ट के जरिए टीपू सुल्तान के हिंदू धर्म विरोधी होना का सबूत दिया। फिर फिल्म में टीपू सुल्तान का किरदार निभाने वाले एक्टर का कालिख से पुता विकृत चेहरा दिखाया। इतना ही नहीं, फिल्मकार संदीप सिंह ने टीजर लॉन्च के दौरान कहा, ईमानदारी से कहूं तो टीपू सुल्तान, सुल्तान कहलाने के लायक भी नहीं है।

साल्ट ने कराया RCB को हार का फिल

आईपीएल सीजन 16 के 50वें मैच में जीती दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल 2023 के 50वें ब्लॉकबस्टर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को सात विकेट से हरा दिया। आरसीबी ने मेजबान टीम को जीत के लिए 182 रनों का टारगेट दिया था, जिसे उसने 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत के हीरो इंग्लिश बल्लेबाज फिल साल्ट रहे। साल्ट ने 87 रनों की तूफानी पारी खेली। इससे पूर्व टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी ने चार विकेट पर 181 रन बनाए।

कोहली के आईपीएल में 7000 रन पूरे : रॉयल चैलेंजर्स के कप्तान विराट कोहली ने इस दौरान आईपीएल में अपने 7,000 रन पूरे कर लिए। 2008 में अपना आईपीएल करियर शुरू करने वाले कोहली ने दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में 7000 रन का आंकड़ा छूकर ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
कोहली कै. खलील बो. मुकेश	55	46	5/0
डु प्लेसिस कै. अक्षर बो. मार्श	45	32	5/1
ग्लेन मैक्सवेल कै. सॉल्ट बो. मार्श	00	01	0/0
महिपाल लोमरोर नाबाद	54	29	6/3
कार्तिक कै. वॉर्नर बो. खलील	11	09	0/1
अनुज रावत नाबाद	08	03	0/1

अतिरिक्त: 8, **कुल:** 20 ओवर में चार विकेट पर 181 रन **विकेट पतन:** 1-82, 2-82, 3-137, 4-172, **गेंदबाजी:** खलील अहमद 4-0-45-1, अक्षर पटेल 3-0-17-0, इशांत शर्मा 3-0-29-0, मुकेश कुमार 3-0-30-1, मिचेल मार्श 3-0-21-2, कुलदीप यादव 4-0-37-0,

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
वॉर्नर कै. फाफ बो. हेजलवुड	22	14	3/1
फिल सॉल्ट बो. कर्ण	87	45	8/6
मिचेल मार्श कै. महिपाल बो. हर्षल	26	17	3/1
राइली रूसो नाबाद	26	17	3/1
अक्षर पटेल नाबाद	08	03	0/1

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 16.4 ओवर में तीन विकेट पर 187 रन **विकेट पतन:** 1-60, 2-119, 3-171, **गेंदबाजी:** मोहम्मद सिराज 2-0-28-0, ग्लेन मैक्सवेल 1.4-0-14-0, जोश हेजलवुड 3-0-29-1, वानिंदु हसरंगा 4-0-32-0, कर्ण शर्मा 3-0-33-1, महिपाल लोमरोर 1-0-13-0, हर्षल पटेल 2-0-32-1,

भोपाल संभाग नर्मदापुरम को हराकर फाइनल में

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-15 इंटर डिविजिनल लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट रीवा के एपीएसयू मैदान में दूसरा सेमीफाइनल मैच भोपाल संभाग व नर्मदापुरम संभाग के बीच खेला गया। जिसमें नर्मदापुरम संभाग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 166 रन बनाये। नर्मदापुरम संभाग से बल्लेबाजी करते हुए शुभी दुबे नाबाद 9 रन, हिमांशी मालवे नाबाद 5 रन, पूर्वी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 51 रन, वेदैही राजपूत 31 रन,, अजीता यादव 17 रन, वानया शुक्ला ने 12 रनों का योगदान दिया। भोपाल संभाग से गेंदबाजी करते हुए प्रेरणा सिंह, सुदिति वशिष्ठ, काजल चौरसिया और चारू शर्मा ने 1-1 विकेट लिए। जवाब में भोपाल संभाग ने बल्लेबाजी करते हुए 28.4 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर फाइनल में प्रवेश किया। भोपाल संभाग की ओर से काव्या पटेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 32 रनों पर नाबाद रहीं। वहीं अनुष्का दुबे 4 रन पर नाबाद रही। प्रेरणा सिंह ने 49 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, सुदिति वशिष्ट ने 39 रनों का योगदान दिया। नर्मदापुरम संभाग से गेंदबाजी में अजीता यादव एवं हिमांशी माल्वे ने 1-1 विकेट लिए। भोपाल संभाग ने नर्मदा पुरम को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मैन ऑफद मैच का पुरस्कार प्रेरणा सिंह 49 रन और एक विकेट एवं काव्य पटेल नाबाद 32 रन को संयुक्त रूप से दिया गया।

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रनरेट
गुजरात टाइटंस	10	07	03	14	0.752
चेन्नई सुपर किंग्स	11	06	04	13	0.409
लखनऊ सुपर जांयट्स	10	05	04	11	0.639
राजस्थान रॉयल्स	10	05	05	10	0.448
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	05	05	10	-0.209
मुंबई इंडियंस	10	05	05	10	-0.454
पंजाब किंग्स	10	05	05	10	-0.472
कोलकाता नाइट राइडर्स	10	04	06	08	-0.103
दिल्ली कैपिटल्स	10	04	06	08	-0.529
सनराइजर्स हैदराबाद	09	03	06	06	-0.540

आंखों को खोलने वाली बोल्ड फिल्म है 'द केरल स्टोरी', दिखाती है जेहादी जाल की कहानी

आप एक ऐसी फिल्म की आलोचना कैसे करते हैं जो एक विवादास्पद सामाजिक-राजनीतिक अपराध से प्रभावित लोगों की कहानी का दस्तावेजीकरण करती है? 'द केरल स्टोरी' केरल राज्य की सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक फीचर फिल्म है। यह ऐसी घटनाओं (लव-जिहाद, क्रूर अमानवीय अपराध जैसे बलात्कार, यौन दासता, कट्टरपंथ, स्वदेशीकरण, और आईएसआईएस भर्ती आदि) से प्रभावित तीन महिलाओं की दुर्दशा की पुनर्कल्पना करती है, जो केरल के कासरगोड के एक निर्दोष दिखने वाले शहर में हैं। फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इडनानी मुख्य भूमिका में हैं। 'द केरल स्टोरी' की शुरूआत संयुक्त राष्ट्र के एक डिटेंशन सेंटर में घायल अदा शर्मा के शुरूआती सीक्वेंस से होती है, जो पूछताछ के दौरान याद करती है कि कैसे वह एक प्रशिक्षित आईएसआईएस आतंकवादी के रूप में सामने आई। अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रेतीले इलाकों से, फिल्म भगवान के अपने देश के हरे भरे परिदृश्य में स्थानांतरित हो जाती है। ओपनिंग क्रेडिट सॉन्ग दर्शकों को मुख्य किरदार अदा शर्मा (शालिनी उन्नीकृष्णन उर्फ फातिमा) के बैकस्टोरी से जल्दी से परिचित कराता है, जो कासरगोड के एक नर्सिंग कॉलेज में दाखिला लेती है, जहां वह दो और लड़कियों से मिलती है, जिनका ब्रेनवाश कर इस्लाम कबूल करवाया जाता है। इसके साथ ही जो आगे बढ़ता है, वही 'द केरल स्टोरी' है। द केरल स्टोरी ने एक सांप्रदायिक एजेंडा और चर्चा के लिए एक मजबूत विषय चुना है लेकिन सबसे परेशान करने वाले तरीके से। यह फिल्म केरल में युवा हिंदू महिलाओं के कथित कट्टरपंथीकरण और इस्लाम में धर्मांतरण के इर्द-गिर्द केंद्रित है, जिसके बाद उन्हें आईएसआईएस में शामिल होने और आत्मघाती हमलावरों या सेक्स गुलामों में बदलने के लिए मजबूर किया जाता है। यह कहानी देखकर आपकी आंखे खुल जाएंगी। फिल्म इस बात पर भी प्रहार करती है कि कैसे साम्यवाद और धर्म का इस्तेमाल लोगों में डर पैदा करने के लिए किया जाता है और कैसे उनका ब्रेनवॉश किया जाता है। द केरल स्टोरी में कार्ल मार्क्स के सिद्धांत हैं और यह रामायण पर सवाल उठाता है, जो धर्म पर बहस की ओर ले जाता है, और इस तरह, फिल्म को सभी विवादों और प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा है। द केरल स्टोरी की कहानी तीन लड़कियों के बारे में है जिनका जीवन आईएसआईएस द्वारा नष्ट कर दिया गया है। यह कहानी पूछताछ कक्ष से शुरू होती है जहां अदा शर्मा अपने भयानक और दुखद अतीत के बारे में बताती हैं और वह वहां तक क्यों और कैसे पहुंचीं। उनकी बैकस्टोरी चार नर्सिंग कॉलेज के छात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी शालिनी के नजरिए से सुनाई गई है, जहां वह अपनी रूममेट्स गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के बारे में बात करती है। शालिनी उन्नीकृष्णन उर्फ फातिमा (अदाह शर्मा), केरल की एक हिंदू और एक नर्सिंग छात्रा का इस्लामिक मोहराओं द्वारा इस्तेमाल किया जाता है, जो उसे एक आईएसआईएस आतंकवादी में बदल देती है। साथ ही, फिल्म 'लव जिहाद' प्रचार पर प्रकाश डालती है, जहां मुस्लिम पुरुष हिंदू लड़कियों को इस्लाम में परिवर्तित करने और उनके परिवारों को त्यागने के लिए मजबूर करते हैं। शालिनी की रूममेट आसिफा के पास अपने रूममेट्स को बेनकाब करने और इस्लाम में परिवर्तित करने का एक गुप्त एजेंडा है। फिल्म सहानुभूति की मांग करती है। यह केरल की एक छुपी जानकारी वाली और परिवर्तित महिलाओं और आतंकवाद का समर्थन करने वाले और पाकिस्तान और अफगानिस्तान के माध्यम से सीरिया में परिवर्तित महिलाओं को भेजने वाले लोगों के बीच पूरे सांठगांठ से जुड़े आंकड़ों को उजागर करता है, जो या तो सेक्स स्लेव या आत्मघाती हमलावर होने का दर्द झेलती हैं। एक विशेष दृश्य है जहां फातिमा (उर्फ शालिनी) का उसके ही पति द्वारा गर्भवती होने के बावजूद बलात्कार किया जाता है।

इस योग आसन से करें अपने दिन की शुरुआत

स्वस्थ्य रहने के लिए योग एक सबसे आसान और असरदार उपाय है। योग में ऐसे कई आसन हैं जिनके अभ्यास से हम लंबे समय तक हेल्दी एंड हैप्पी रह सकते हैं। हर एक आसन अपने आप में कई गुण लिए हुए हैं। किसी से पेट कम होता है तो किसी से मांसपेशियों का दर्द दूर होता है। ऐसा ही एक आसन है ताड़ासन जिसके नियमित अभ्यास से जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है। साथ ही और भी कई फायदे होते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

ताड़ासन के लाभ

-ताड़ासन के रोजाना अभ्यास से शारारिक और मानसिक संतुलन बना रहता है।

-ताड़ासन करने से पाचन तंत्र सही रहता है। कब्ज की समस्या दूर होती है।

-ताड़ासन के नियमित अभ्यास से जांघ टखने और घुटने मजबूत बनते हैं। साथ ही सायटिका के पेन में भी रिलीफ मिलता है।

-ताड़ासन करने से पोस्चर सुधरता है और रीड की हड्डी लचीली बनती है। अगर आप पूरे दिन बैठकर काम करते हैं। तो इससे आपकी कमर हिप्स और थाइज में दर्द हो सकता है। तो इस आसन से स्ट्रेचिंग होती है जिससे इन सभी तकलीफों से राहत मिलती है।

-ताड़ासन के नियमित अभ्यास से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही तरह होता है। इस आसन को करने से आपके दिल और दिमाग तक रक्त संचार

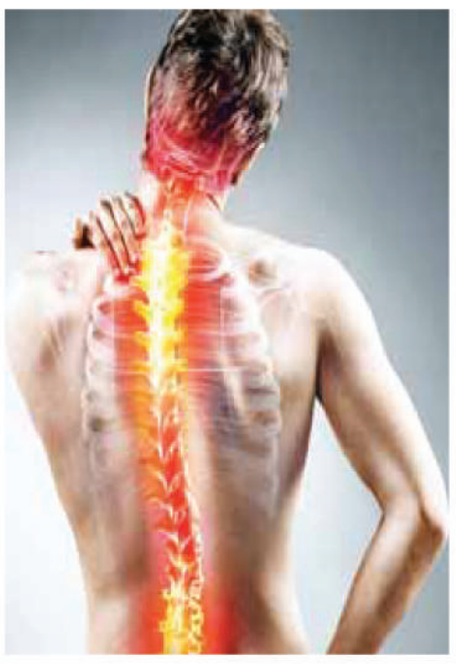

हो पाता है।

ताड़ासन करने की सही विधि.

-इस आसान को करने के लिए सीधे खड़े हो जाएं और पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें।

-दोनों हाथों अपने शरीर के पास रखें।

-गहरी सांस भरते हुए दोनों हाथों को सिर के ऊपर उठाएं और अपनी उंगलियों को आपस में बांध लें। बॉडी को स्ट्रेच करें।

-एड़ी उठाते हुए अपने पैर की उंगलियों पर खड़े हो जाएं।

-इस दौरान शरीर में ऊपर से नीचे तक स्ट्रेच महसूस करें।

-इस अवस्था में थोड़ी देर रूके रहें। इस आसन को 5.10 बार दोहराएं।

दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये फूड्स

हार्ट शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। जीवित रहने के लिए सीने में दिल का धड़कना काफी जरूरी है। ऐसे में हमें दिल का बहुत ख्याल रखना चाहिए। आजकल बदलती जीवनशैली और अनहेल्दी डाइट के कारण हार्ट संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आप अपनी डाइट में कुछ चीज़ों को शामिल कर हार्ट संबंधी बीमारियों को कम कर सकते हैं। दिल की सेहत के लिए फाइबर एंटी ऑक्सीडेंट्स युक्त फूड्स का सेवन करना चाहिए। ये तत्व शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हैं और दिल को स्वस्थ रखते हैं।

अखरोट का सेवन करें

अखरोट में मोनो अनसैचुरेटेड फैट ओमेगा.3 फैटी एसिड फाइबर और अन्य तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन से आप हार्ट संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं। अखरोट कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। जो दिल के लिए फायदेमंद है।

ब्लूबेरी है फायदेमंद

दिल की सेहत के लिए आप नियमित रूप से स्ट्रॉबेरी ब्लूबेरी ब्लैकबेरी खा सकते हैं। ये हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जामुन

जामुन भी एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं। जो ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन से बचाते हैं। इसमें फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो दिल से जुड़ी बीमारियों को कम करने में मददगार है।

फैटी फिश

डाइट में शामिल करें फैटी फिश फैटी फिश दिल को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। आप हार्ट संबंधी बीमारियों से बचने के लिए सैल्मन मैकेरल सार्डिन और टूना जैसी मछली का सेवन कर सकते हैं। ये ओमेगा .3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं।

डार्क चॉकलेट खाएं

डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनोइड्स जैसे एंटी ऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं। जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और हृदय से जुड़ी बीमारियों को कम करने में मददगार है।

ग्रीन टी पिएं

ग्रीन टी पॉलीफेनोल्स और कैटेचिन से भरी होती है। जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है। इसमें एंटी ऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैंए जो फैट्स को कम करने में सहायक है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियों में आयरन कैल्शियम फाइबर पोटैशियम विटामिन.सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं।

जो हृदय रोग को कम करने में मदद कर सकते हैं।

पुरुष बांझपन से बचा जा सकता है

मोटापा दुनिया भर में एक बढ़ती चिंता का विषय है। जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि प्रजनन स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। पुरुष बांझपन मोटापे के कई नकारात्मक परिणामों में से एक है और यह एक ऐसा विषय है जिस पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वजन घटाने के विशेषज्ञ और बेरियाट्रिक सर्जन डॉ. आरुष सभरवाल के अनुसार मोटापे से संबंधित पुरुष बांझपन को जीवनशैली में बदलाव और बेरियाट्रिक सर्जरी के जरिए रोका जा सकता है।

डॉ. आरुष सभरवाल

डॉ सभरवाल बताते हैं कि मोटापा पुरुषों में हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है। जिसके परिणामस्वरूप शुक्राणु की गुणवत्ता और मात्रा कम हो सकती है। यह शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। जिससे शुक्राणु डी.एन.ए. को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा मोटापे से संबंधित स्वास्थ्य स्थितियां जैसे मधुमेह और उच्च रक्तचाप भी पुरुष बांझपन में योगदान कर सकते हैं। हालांकि अच्छी खबर यह है कि वजन घटाने से मोटे पुरुषों में प्रजनन क्षमता में सुधार हो सकता है। डॉ सभरवाल कहते हैं शरीर के वजन का सिर्फ 5-10% कम करने से शुक्राणु की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार हो सकता है और गर्भधारण की संभावना बढ़ सकती है।

डॉ. सभरवाल कहते हैं बेरिएट्रिक सर्जरी न केवल वजन घटाने का कारण बन सकती है। बल्कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी मोटापे से संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों में भी सुधार कर सकती है, जिससे प्रजनन क्षमता में सुधार हो सकता है।

पोषण विशेषज्ञ कनक अग्रवाल इस बात पर जोर देती हैं कि मोटापे से संबंधित पुरुष बांझपन को रोकना एक स्वस्थ जीवन शैली से शुरू होता है। संतुलित आहार खाने, शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और तनाव का प्रबंधन करने से समग्र स्वास्थ्य और प्रजनन क्षमता में सुधार करने में मदद मिल सकती है। वह कहती हैं पुरुषों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे न केवल अपने लिए बल्कि अपने भविष्य के परिवारों के लिए भी अपने स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें।

अधिक जानने के लिए आप हमें info@scodclinic.com पर अपने प्रश्न लिख सकते हैं। नियुक्तियों या पोषण संबंधी चिंताओं के लिए हमें +91-8130130489 पर कॉल करें।

क्या आप जानते हैं?

6 मई का इतिहास

1715- स्पेन और पुर्तगाल के बीच युद्ध समाप्त हुआ।

1716-ब्रिटेन और हालैंड के बीच गठबंधन का नवीनीकरण।

1778-ब्रिटेन ने फ्रांस के खिलाफ जंग का ऐलान किया।

1788-मैसाचुसेट्स संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान को मानने वाला छठा राज्य बना।

1819-सर थॉमस स्टैमफ़ र्ड रैफेंल्स ने सिंगापुर की खोज की।

1833-ओट्टो आधुनिक समय में यूनान के पहले सम्राट बने।

1869-यूनान क्रीट छोड़ने को राजी हुआ।

1891-उड़ान के क्षेत्र में अग्रणी डच.एंटन हरमान फोकर का जन्म।

1899-स्पेन ने क्यूबा प्यूटो रिको गुआम और फिलीपींस अमरीका को सौंप दिए।

1911-अमेरिका के एरिजोना में पहला वृद्धाश्रम खोला गया।

1918-तीस वर्ष से अधिक की आयु की महिलाओं को ब्रिटेन में मतदान करने का अधिकार मिला।

1922-कार्डिनल एशिले रैट्टी पोप चुने गए।

1941-ब्रिटिश सेना ने लीबिया के बेनगाजी शहर पर क़ब्ज़ा किया।

1942-द्वितीय विश्वयुद्ध यूनाइटेड किंगडम ने थाईलैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

1951-अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।

1952-ब्रिटेन नरेश जार्ज छठवें के निधन के बाद एलिजाबेथ द्वितीय गद्दी पर बैठीं।

1959-सुश्री अन्ना चांडी केरल उच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश बनीं।

1968-फ्रांस के ग्रेनोबल शहर में दसवें शीतकालीन ओलंपिक खेल शुरु।

क्रोनिक पेन से उबरने के लिए आजमाएं ये टिप्स

क्रोनिक पेन मतलब शरीर के किसी भी अंग में उठने वाला ऐसा दर्द जो कभी एकदम से बहुत ज्यादा हो जाता है तो कभी हल्का-हल्का होता ही रहता है। ऐसा दर्द किसी चोट सर्जरी सूजन या फिर किसी एक्सीडेंट की वजह से पैदा हो सकता है। जो समय और उम्र बढ़ने पर बढ़ता और घटता रहता है। इस दर्द के बढ़ने की मुख्य वजह है। इसे इग्नोर करते रहना।

पुराने दर्द का अगर समय रहते इलाज न करवाया जाए। तो ये उम्र के साथ और गंभीर होने लगता है। साथ ही ये नॉर्मल दर्द की तुलना में लंबे वक्त तक बना रहता है। क्रोनिक पेन एक प्रकार का पुराना दर्द होता है। जो मसल्स में उठता है और फिर कंधों पीठ कमर और शरीर के दूसरे भागों में भी पहुंचता है। क्रोनिक पेन से नींद न आने की प्रॉब्लम और थकान भी बनी रहती है।

क्रोनिक पेन से उबरने के लिए अपनाएं ये टिप्स

- खानपान का रखें ख्याल

क्रोनिक पेन से निपटने के लिए खानपान पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। मील में नॉन स्टार्च सब्जियों के साथ-साथ कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम्स की मात्रा बढ़ाएं।

- योगा भी होता है असरदार

डॉक्टर से सलाह लेने के बाद नियमित रूप से योग और एक्सासइज करने से भी ऐसे दर्द में आराम मिलता है। इससे बॉडी स्ट्रॉन्ग होती है। कंधे कमर के अलावा मांसपेशियों में होने वाले दर्द से निपटने में भी योगासन हो सकता है मददगार।

-मसाज करें ट्राय

सरसों ऑलिव और नारियल तेल से मालिश करना भी काफी हद तक क्रोनिक पेन से राहत दिला सकता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मसल्स को मजबूती मिलती है।

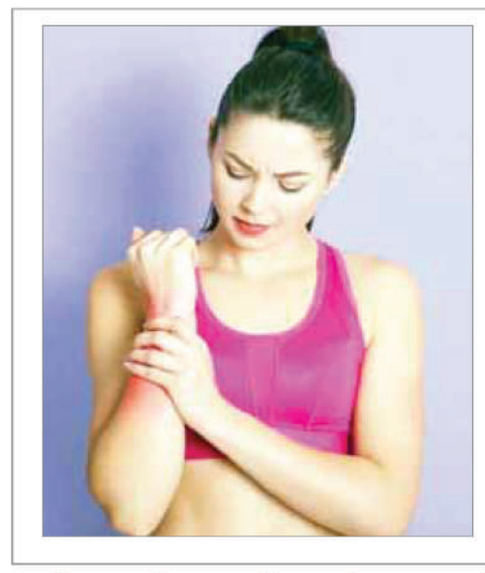

यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें ये फूड्स

आजकल बदलती लाइस्टाइल और अनहेल्दी डाइट के कारण लोग कई गंभीर बीमारियों के शिकार होते जा रहे हैं। इन्ही में से एक है यूरिक एसिड की समस्या। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने पर जोड़ों में दर्द शुरु हो जाता है। हालांकि आप अपने खानपान में बदलाव कर यूरिक एसिड की मात्रा को बढ़ने से रोक सकते हैं। तो आइए जानते हैं। यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करें।

केला है फायदेमंद

बच्चों से बड़ों तक सभी केला खाना पसंद करते हैं। इसमें फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है। अगर आप नियमित रूप से अपनी डाइट में केला शामिल करते हैं। तो यूरिक एसिड को कंट्रोल कर सकते हैं।

ग्रीन टी का सेवन करें

ग्रीन टी में एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। इसके सेवन से शरीर को कई लाभ मिलते हैं। कई लोग ग्रीन टी का सेवन फैट् कम करने के लिए करते हैं। यह यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में भी सहायक है।

फ्रेंच बीन्स

फ्रेंच बीन्स का रस यूरिक एसिड के मरीजों के लिए काफी प्रभावी माना जाता है। यह यूरिक एसिड के लक्षणों जैसे सूजन और दर्द को कम करने में बेहद मददगार है।

अजवाइन

किचन में आसानी से आपको अजवाइन मिल सकती है। इसमें ओमेगा.6 फैटी एसिड भी पाया जाता है। यह शरीर में यूरिक एसिड को कम करने में मददगार है। आप आजवाइन को खाने में कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं।

ये है हाथ धोने का सही तरीका

हर साल की तरह इस बार भी दुनिया भर में विश्व हाथ स्वच्छता दिवस मनाया जा रहा है। कीटाणुओं को फैलने से रोकने और दूर करने के लिए हाथों का साफहोना सबसे उचित और प्रभावी तरीका है। संक्रमणों से बचने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं में हाथ की स्वच्छता का पालन करने के लिए दुनिया भर के लोगों को इसके प्रति प्रोत्साहित करने के लिए हर साल यह दिन मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सुझाए गए निर्देश के मुताबिक हाथों को साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक धोना जरूरी है। हाथ ठीक से धोने का सही तरीका।

1 सबसे पहले हाथों को साफ और बहते पानी से गीला करें। फिर नल बंद करें और साबुन लगाएं।

2 अपने हाथों को साबुन से रगड़ें और अच्छी तरह झाग बनाएं। हाथों को दोनों तरफ से धोएं उंगलियों के बीच और नाखूनों के नीचे रगड़ें। अंगूठे को न भूलें। कम से कम 20 सेकंड तक ऐसा करें।

3 अब नल खोलें और अपने हाथों को धो लें।

4 अपने हाथों को साफतौलिये से सुखाएं।

नियमित रूप से हाथ धोने के फायदे

- नियमित रूप से अपने हाथ धोने से कोविड के साथ सर्दी और फ्लू जैसे संक्रमण होने का खतरा कम हो सकता है।

-आंखों के संक्रमण को रोकने में मदद मिल सकती है। जो बैक्टीरिया और कीटाणुओं के कारण हो सकता है और ये हाथों से आंखों में आते हैं।

-स्वास्थ्य कर्मियों और रोगियों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने के लिए नियमित रूप से हाथ धोना महत्वपूर्ण है।

-नियमित रूप से हाथ धोने से उन कीटाणुओं और जीवाणुओं को दूर करने में मदद मिलती है। जो दस्त और आंतों की बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

त्वचा की चमक को बरकरार रखता है तरबूज

बाजार में इन दिनों तरबूज के ढेर लगे हुए हैं। ऊपर से थोड़ा सख्त नजर आने वाला तरबूज अंदर से पानी-पानी होता है। अक्सर दुकानदार आपको तरबूज का एक टुकड़ा काटकर दिखाता होगा और उसके लाल रंग का वास्ता देकर आपको उसे खरीदने के लिए कहता होगा। जिसे आप सिर्फ मीठा फल समझकर खरीद लायी हैं असल में वो गुणों की खान है।

तरबूज खाने के अनूठे फायदे

तरबूज में लाइकोपिन पाया जाता है जो त्वचा की चमक को बरकरार रखता है।

हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने में भी तरबूज एक रामबाण उपाय है। ये दिल संबंधी बीमारियों को दूर रखता है। दरअसल ये कोलस्ट्रॉल के लेवल को नियंत्रित करता है।

विटामिन की प्रचुर मात्रा होने के कारण ये शरीर के इम्यून सिस्टम को भी अच्छा रखता है। वहीं विटामिन ए आंखों के लिए अच्छा है।

तरबूज खाने से दिमाग शांत रहता है और गुस्सा कम आता है। असल में तरबूज की तासीर ठंडी होती है इसलिए ये दिमाग को शांत रखता है।

तीर्थायन की तीसरी श्रृंखला : पुराणोक्त लगभग 1100 काशीस्थ तीर्थ स्थलों के दर्शन, चौसट्टी घाट तक पहुंची यात्रा, तीर्थायन का वार्षिक कैलेंडर बनकर तैयार

प्रखर वाराणसी। केदार घाट स्थित गौरी केदारेश्वर मंदिर से तीर्थायन क्रम की तीसरी यात्रा आज प्रातः 6.30 बजे शुरू हुई। आज की यात्रा के संरक्षक आईआईटी, बीएचयू के पूर्व निदेशक प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय, लेखक- विचारक रामाशीष एवं प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विजय नाथ मिश्र थे।यात्रा की शुरूआत में संरक्षकगण ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि - "विश्व की प्राचीनतम, धर्म की नगरी काशी में पुराणोक्त लगभग 1100 से भी ज्यादा मंदिरों का उल्लेख है। काशी के अंतस में धर्म, दर्शन, संस्कृति और जनजीवन के अनूठे रहस्य छिपे हुए हैं। इन रहस्यों का उद्घाटन उनके नजदीक पहुंच कर ही किया जा सकता है। तीर्थ स्थलों , देव मंदिरों तथा सनातन संस्कृति की अप्रतिम धरोहरों को जानने - समझने के संकल्प को तीर्थायन नाम से एक अभियान के रूप में शुरू किया गया है। कहने को यह धार्मिक यात्रा का एक क्रम है , लेकिन इसके अंदर अपनी सांस्कृतिक समझ को विकसित करते हुए संरक्षण व संवर्धन के असीम आयाम छुपे हुए हैं।काशीस्थ तीर्थों के दर्शनक्रम से शुरू यह अभियान दिन प्रति गहन संवेग के साथ आगे बढ़ रहा है। तीर्थायन को काशी के प्रबुद्ध सचेत समाज का जनसमर्थन तथा सक्रिय सहभाग मिलना अत्यन्त उत्साहजनक है।काशीकथा और अंतर राष्ट्रीय काशी घाटवॉक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काशी के 1100 लगभग काशी खंडोक्त मंदिर और देव दर्शन का संकल्प है। रविवार को हुई इस द्वितीय यात्रा में मार्गदर्शन के रूप में समाज - जीवन के हर विधा यथा संगीत, अभियांत्रिकी, साहित्य, कला, राजनीति, समाज सेवा, पत्रकारिता, इतिहास, धर्म दर्शन आदि के मूर्धन्य विद्वान और काशी के लोग तीर्थायन में मौजूद रहे। यात्रा के तहत आने वाले 21 मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ लोगों ने विधिवत दर्शन-पूजन किया। साथ ही सभी मंदिरों की मान्यता और इतिहास को भी जाना। सुबह से ही काशी के उक्त क्षेत्र की गलियां भक्ति संगीत से गुंजयमान हो उठीं।आज की यात्रा में जिन 21 पुराणोक्त तीर्थों का दर्शन किया गया उनमें प्रमुख रूप से - गौरी केदारेश्वर, रूक्मांगदेवेश्वर महादेव, चित्रांग देवेश्वर महादेव, चित्रांग देवेश्वरी देवी, क्षेमेश्वर महादेव ,मानसरोवर तीर्थ रघुनाथेश्वर महादेव, कैलाशेश्वर, नारादेश्वर, अत्रीश्वर, अनुसूयेश्वर, अनुसूया देवी, दत्तात्रेय, सोमेश्वर महादेव , सर्वेश्वर महादेव , चौसट्टी देवी, भद्रकाली देवी , चतुः षष्टेश्वर महादेव, वक्रतुंड विनायक श्री दीवानेश्वर महादेव और रामेश्वर महादेव का दर्शन पूजन हुआ। तीर्थायन में प्रमुख रूप से प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय, प्रो. विजयनाथ मिश्र, उमाशंकर गुप्ता, डॉ. अवधेश दीक्षित, शैलेश तिवारी, अजय कृष्ण चतुर्वेदी, विमल कुमार सिंह, रामाशीष जी, प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, अजय शर्मा, मनीष खत्री, जगन्नाथ ओझा, ऋषि झींगरण,अमित राय, रोहित साहनी, विनय महादेव, डॉ. सुमित सिंह,ऋतु, डॉ. चंदन रथ, नेहा दुबे, आंनद राय, वाचस्पति उपाध्याय, सत्यम पांडेय बलराम यादव, अरविंद मिश्र, अनुराग यादव अभिषेक यादव, संजय शुक्ल अनुज चतुर्वेदी, डॉ. अनिल गुप्ता, कपिंद्र तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, अनूप पांडेय, राधाकृष्ण गणेशन, डॉ. नीरज पांडेय, सहित 150 से अधिक लोग शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक डॉ. विजयनाथ मिश्र ने सभी आज की यात्रा में नवागंतुक सदस्यों का स्वागत व आभार ज्ञापित करते हुए, तीर्थायन की चतुर्थ सोपान - 21 मई को समयबद्ध उपस्थिति का निवेदन किया।

जनपद में अवैध खनन रोकना डीएम एसपी की जिम्मेदारी

एक बार फिर राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देश पर क्षेत्र के क्रेशर प्लांटो की होगी जांच

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। तहसील क्षेत्र के अहरौरा में स्थित पहाड़ियों के आसपास चल रहे क्रेशर प्लांटों की एक बार पुनः राष्ट्रीय हरित अधिकरण एन जी टी के आदेश पर जांच की जाएगी । बता दें कि इसके पूर्व एन जी टी के आदेश पर क्षेत्र के खनन पट्टा स्थलों की जांच की गई थी जिस पर लगभग एक करोड़ रुपए से अधिक का जुमार्ना लगाए जाने का आदेश राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने दिया है।

23,24 नवम्बर 2022 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देश पर संयुक्त जांच टीम द्वारा क्षेत्र के भगौतीदेई, सोनपुर,बियाहूर व चकजाता में हो रहे अवैध खनन अवैध ब्लास्टिंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया था जिसमें भारी खामियां संयुक्त जांच टीम ने देखा जिसकी रिपोर्ट तीन फरवरी को राष्ट्रीय हरित अधिकरण में सौंपा गया था जो 88 पन्नों का था जिसमें 40 खनन पट्टों का जिक्र किया गया है । इनमें से 39 खनन पट्टों पर संयुक्त जांच टीम ने लगभग डेढ़ करोड़ रुपए जूमार्ना लगाने की सिफारिश किया है।

रिपोर्ट में एक खनन पट्टे को छोड़कर बाकी सभी को नियम विरुद्ध व अवैध खनन में लिप्त बताया गया था साथ ही 26 स्टोन क्रेशर प्लांटों का जिक्र किया गया था जिसमें सभी के नियम विरुद्ध संचालन की बात कही गई थी ।लेकिन क्रेशर प्लांटों के संचालकों व क्रेशर प्लांटों के खिलाफ किसी भी कार्यवाही या जूमार्ने की बात नहीं लिखी गई थी जिस पर शिकायत कर्ता सपूणार्नंद ने ऐतराज जताया और राष्ट्रीय हरित अधिकरण के समक्ष अपना पक्ष रखा और कहा कि क्षेत्र में सबसे अधिक प्रदूषण क्रेशर प्लांटों के संचालन से ही हो रहा है । लेकिन उनके खिलाफ किसी भी कार्यवाही या जूमार्ने की सिफारिश नहीं की गई है । जो गलत है, साथ ही जब संयुक्त जांच टीम ने देखा कि सभी क्रेशर प्लांट व खनन पट्टों पर नियम विरुद्ध व अवैध रूप से कार्य हो रहा है तो जांच टीम को क्षेत्र में चल रहे क्रेशर प्लांटों व खनन पट्टों को तत्काल बंद करने का सिफारिश करना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ, जिसे माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने गम्भीरता से लेते हुए संयुक्त जांच टीम को निर्देशित किया कि रिपोर्ट में दिए सभी क्रेशर प्लांटों का आवश्यक रुप से जांच करके दो महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय हरित अधिकरण में सौंपे।

साथ ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया गया है कि वे अवैध खनन को रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाए और अवैध खनन को रोकें । राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने जिला अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे सभी पट्टा धारकों को नोटिस तामील कराईं जाए। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने कहा है कि खनन पट्टाधारकों द्वारा जल प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम 1974 और वायु प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम अधिनियम 1981 कु प्रावधानों का उलंघन किया जा रहा है । खनन पट्टों पर परियोजना प्रस्तावकों को बंद करने और समिति से अलग होने या जल प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम अधिनियम 1974 और वायु प्रदूषण नियंत्रण और रोकथाम अधिनियम 1981 का उलंघन करने के लिए और आगे कोई खनन नहीं किया जाएगा खनन न्यायाधिकरण के विपरित। एनजीटी के इस आदेश से क्षेत्र के खनन पट्टा धारको एवं क्रेशर प्लांट संचालकों में हड़कंप व्याप्त है।

कोढ़ एवं मानसिक रोगियों के मसीहा बने : पी. मणिमारण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। तमिलनाडु राज्य के तिरुवन्नामलाई जिले के तलैयापल्लम नामक गांव के पी० मणिमारण ने सांसारिक लोक सेवा केंद्र नामक एक सार्वजनिक हित सेवा संस्था की स्थापना करके कई प्रकार की सेवाएं सार्वजनिक हित के लक्ष्य से कर रहे हैं भारत के विभिन्न राज्यों में जागरण सड़कों के किनारे असहाय कोढ़ तथा मानसिक रोगों से पीड़ित बूढ़े व्यक्तियों के बाल काटकर नहला धुलाकर उन्हें पास वाले रक्षा केंद्र में भर्ती कराने का प्रयास कर रहे हैं उनकी सेवा का तारीफ करते हुए तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एमके स्टॉलिंग ने उन्हें सम्मानित किया तथा राज्य व केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने भी इनको सम्मानित कर पुरस्कृत किया अपनी मेहनत व लगन के कारण पिछले 20 दिनों से प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के विभिन्न स्थानों में जाकर गंगा किनारे, रेलवे स्टेशनों के पटरियों पर और बस स्टैंड पर रह रहे। असहाय कोढ़ तथा मानसिक रोगों से पीड़ित लोगो के घाव पर दवा लगाने, नए कपड़े

पहनाने तथा उन्हें नजदीकी रक्षा केंद्रों पर पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं अब तक इनके द्वारा 165 असहाय लोगों का चिकित्सा किया जा चुका है तथा इनके द्वारा लगभग 45 लावारिस शवों का भी अंतिम संस्कार भी किया गया है।

लाखों की सरिया लदी ट्रक को लूटा, चालक बेहोशी हालत में मिला

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाईपास पर नागापुर स्थित एक ढाबा के पास सरिया लेकर वाराणसी जा रही ट्रक को चार पहिया सवार बदमाशों ने आतंकित कर लूट ली। ड्राइवर बेहोशी के हालत में जंसा थाना क्षेत्र में मिला। घटना रविवार की भोर की बताई जाती है। बताते है कि राजस्थान से 42 टन सरिया लेकर ट्रक ड्राइवर महेंद्र चला था। पिंडरा फोरलेन बाईपास पर नागापुर के समीप पीछे से आये चार पहिया सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर उसे रोक लिया और असलहे के बल पर उसे बेहोश करने के बाद उसे जंसा थाना क्षेत्र में फेंक दिया। और ट्रक को लूट ली। सुबह जब होश आया तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस छानबीन करने के बाद अज्ञात बदमाशों के तलाश में जुट गई। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस तलाश में जुटी हुई है।

ग्रामीण विकास और जनजागरण करने के साथ-साथ विकास के चतुमुर्खी आयाम को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण होती है पत्रकारों की भूमिका : स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती

प्रखर चिरईगांव वाराणसी। आद्य पत्रकार देवर्षि नारद के जन्म जयंती के अवसर पर ग्रामीण पत्रकार साथियों का सम्मान समारोह एवं ग्रामीण विकास एवं जन जागरण में पत्रकारिता की भूमिका विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंन्द्रानंद सरस्वती जी ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वामी जितेंद्र आनंद सरस्वती ने कहा ग्रामीण पत्रकार ग्रामसभाओ की समस्याओं को बड़ी तन्मयता और तत्परता के साथ शासन और प्रशासन के मध्य रखता है और गांव की छोटी छोटी समस्या चाहे वह नाली का विषय हो खड़ंजा का विषय हो या फिर ग्रामीण अंचल से जुड़े नदी,जल संरक्षण,तालाब की समस्या हो वह बहुत ही प्रमुखता के साथ इन सब चीजों को प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सूचित करता है, आज की परिस्थिति में समाज के एक मजबूत स्तंभ के रूप में कार्य करता है । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के

जिला प्रचारक डॉ सुरेश जी व चिकित्सक डॉ प्रशांत पांडेय जी मौजूद रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र नाथ पांडेय ने किया व कार्यक्रम का आयोजन व संचालन संयुक्त रूप से अवनीश पाठक व देवमणि त्रिपाठी ने किया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला संरक्षक नागेश्वर सिंह जिला अध्यक्ष सीबी तिवारी सत्येंद्र उपाध्याय हवलदार सिंह प्रवीण चौबे श्रीकांत उपाध्याय राजीव पांडे व सहयोगी के रुप में मतीन्द्र पांडेय ,राजेंद्र चौबे, आशीष पांडे, अजय पांडे, अमित चौबे,बबलू राजभर, समेत सभी ग्रामीण पत्रकार मौजूद रहे।

खेतासराय में 63 नहीं 59 फीसदी हुआ मतदान

चुनाव आयोग के भारी फेर बदल के आंकड़े अब चर्चाओं में, नतीजे पर सबकी निगाहें टिकी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। गुरुवार को खेतासराय नगर निकाय का चुनाव चुनाव बहुत ही दिलचस्प रहा । यहाँ चार मतदान केन्द्रों के 23 बूथों पर देर शाम तक मतदाताओं ने अलग जोश दिखाया । चुनाव आयोग की तरफ से प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गए आंकड़े अब चचाओं में है । पहले मत के आंकड़े में सीधे एक हजार का अंतर होने से सियासी पार्टियों के हार जीत के पूवार्नुमान ध्वस्त हो गए । हालाकि चुनाव आयोग की तरफ से उपलब्ध आंकड़े प्रशासन चूक मानते हुए दुबारा संशोधन की लिस्ट जारी की है ।

दरअसल नगर के निकाय चुनाव में प्रमुख दल समाजवादी पार्टी, बीजेपी, बसपा समेत निर्दलियों ने जोरदार दमखम दिखाते हुए चुनाव लड़ा । नगर में करीब सत्रह हजार से अधिक मतदाता है जिसमे में 9261 पुरुष और 8540 महिला वोटर है । गुरुवार को मतदान के दिन सुबह में मतदाताओं की लंबी कतार लगी, दोपहर में कुछ रफ़्तार धीमा हुआ तो शाम को पुनः लम्बी लाइन लगी

फाइल फोटो

। समय समाप्ति के बाद भी लोग मतदान के लिए अपनी बारी का इंतजार करते रहे । हर दो घण्टे पर कंट्रोल रूम प्रशासन मत का आकड़ा जारी करता रहा । गुरुवार की देर शाम यहाँ 11263 मत और 63.25 प्रतिशत पर मुहर लगा दी । चट्टी चौराहे पर लोग हार जीत का अपना नतीजा निकालने लगे । शुक्रवार को ही चुनाव आयोग ने संसोधित आंकड़े की जानकारी उपलब्ध कराई तो सियासी पंडितों के सारे दावे फेल हो गए । सहायक जिला निर्वाचन कार्यालय की तरफ से दूसरी संसोधित लिस्ट में अब कुल मतदान 10624 हुए और वोटों का प्रतिशत 59.66 रहा । अब इस आंकड़े के फेरबदल से नगर में चर्चाओ का बाजार गर्म है । हालाकि जिले के एक दर्जन स्थानों पर हुए मत और प्रतिशत में भारी फेर बदल हुआ है ।

स्ट्रांग रूम के बाहर जमे है प्रत्याशियों के समर्थक- खेतासराय (जौनपुर)। प्रथम चरण का सम्पन्न हुआ निकाय चुनाव की मतपेटिका शाहगंज सब्जी मंडी में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के साये में रखी गई है । चुनाव आयोग के अफसर पल पल की मॉनिटरिंग कर रहे है । किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नही है । सीसी टीवी से भी निगरानी हो रही है । शाहगंज और खेतासराय के पार्टी के समर्थक आने जाने वालों पर कड़ी नजर रख रहे है । रात्रि में भी डेरा जमाए हुए है । सीओ चोब सिंह ने बताया कि पर्याप्त सुरक्षा में स्ट्रांग रूम की रखवाली की जा रही है।

प्रतियोगी छात्रों के तैयारी हेतु हुआ लाइब्रेरी का उद्घाटन

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। क्षेत्र के स्टेशन अमारी रोड स्थित देवा (चौबे का पूरा) में रविवार को द कैंब्रिज लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि शारदानंद राय ने फीता काटकर किया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को लाइब्रेरी में आकर पढ़ने की सलाह दी। इस मौके पर लाइब्रेरी के संचालक संजय कुमार चौबे ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह की सुविधा नहीं होने के कारण क्षेत्र के काफी बच्चे शहरों जाकर इस तरह की सुविधा हासिल कर रहे थे। जिससे उनका समय और धन दोनों जाया होता था। अब प्रतिस्पर्धा की दौड़ में शामिल होकर तैयारी करने वाले बच्चों को कम खर्च में अच्छी सुविधा मुहैया होने से दूर दराज नहीं जाना पड़ेगा। प्रतियोगी छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए एक ऐसी लाइब्रेरी खोलने का विचार बनाया गया जहां विविध क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने की सारी सुविधाएं सुलभ रहेंगी। शुरू में 46 सीटों वाली ऑनलाइन, ऑफलाइन लाइब्रेरी का उद्घाटन किया गया है। जिसमें तीन शिफ्ट में छात्रों को पढ़ने की सुविधा मिलेगी। छात्रों के लिए बैंकिंग, यूपीएससी ,एसएससी, यूपीएसआई, यूपीपी, वीडीओ, लेखपाल, यूपीटेट, सुपर टेट, यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड से संबंधित सभी किताबें उपलब्ध है जिसका लाभ छात्रों को मिलेगा ।वही लाइब्रेरी में 24 घंटे बिजली एवं नेटवर्क की व्यवस्था दी गई है।

सप्ताहिक पत्रिका एवं डेली न्यूज पेपर की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर ग्राम प्रधान देवा दीपक चौरसिया, दुल्लहपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश मद्धेशिया, संजय राय, गौरी शंकर पांडेय, संजय वर्मा, सर्वेश कुमार राय, मोनू चौबे तथा लाइब्रेरी के ऑपरेटर गोलू चौबे उपस्थित रहे। लाइब्रेरी के फाउंडर संजय कुमार चौबे ने मुख्य अतिथि शारदानंद राय को बुके देकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त खबरें

अधेड़ की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिर्चा गांव के बाहर बने मड़ई में सो रहे एक अधेड़ कि अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दि। रविवार की सुबह घटना की जानकारी होते ही ग्रामीणों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधिक्षक ओमवीर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और परिवार के लोगों से पूछताछ की। प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती निवासी हरेंद्र बिंद का गांव के बाहर डेरा बना हुआ है और वहां पर पशुओं को रखकर देखभाल किया जाता है। हरेंद्र रोज की तरह रात में खाना खाकर घर से डेरा पर सोने के लिए चले गए। सुबह जब परिवार के लोग डेरा पर पहुंचे तो पाया कि जमीन पर खून फैला हुआ है, यह देखकर सभी लोग शोर मचाने लगे। चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी होते ही स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना के कारणों का पुलिस पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस अधिक्षक ओमवीर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और पूछताछ करने के बाद मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है और जल्द ही घटना का पदार्फाश किया जाएगा।

वांछित अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मु0अ0सं0 28/2023 धारा 323, 336, 504, 506, 304 भा0द0वि0 में वांछित अभियुक्त को थाना सुहवल पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है। पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में अपराध व अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत दिनांक 07/05/2023 को उ0नि0 शिवराज सिंह यादव मय का० सुनील कुमार बिन्द व का० विजय सिंह पटेल द्वारा मुखबीर की सूचना पर वांछित अभियुक्त गोविन्दा उर्फ गोविन्द पुत्र राधेश्याम यादव निवासी ग्राम कालूपुर थाना सुहवल जनपद गाजीपुर को समय करीब 10.45 बजे मेदिनीपुर तिराहे से गिरफ्तारी कर लिया गया है। अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 28/2023 धारा 323, 336, 504, 506, 304 भा0द0वि0 में वांछित चल रहा था। अन्य विधिक कार्यवाही संबंधित थाने द्वारा की जा रही है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में उ0नि0 शिवराज सिंह यादव, आरक्षी सुनील कुमार बिन्द व आरक्षी विजय सिंह पटेल शामिल रहे।

सैदपुर विधायक के प्रयास से 15 और 16 मई को रोजगार

प्रखर गाजीपुर। सैदपुर के विधायक अंकित भारती और उनके पिता पूर्व श्रम आयुक्त ओमप्रकाश भारती के निजी प्रयास से गाजीपुर के युवाओं के लिए निजी क्षेत्र की कंपनी मदरसन सुमी वायरिंग इंडिया लिमिटेड नोएडा के साथ अन्य कई कंपनियों के एच आर 15 और 16 मई 2023 दिन सोमवार और मंगलवार को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक प्रेमलता आईटीआई रामपुर माझा सैदपुर में योग्य अभ्यर्थियों का चुनाव कंपनी के लिए करेंगे । गौरतलब है की विधायक अंकित भारती के पिता ओमप्रकाश भारती पूर्व श्रम आयुक्त रहे है उन्होंने अपने निजी प्रयास से इस निशुल्क इंटरव्यू (कैम्पस) का अयोजन किया है। प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए उन्होने कहा कि यह गाजीपुर के युवाओं के लिए अवसर है इस अवसर का लाभ सभी सुयोग्य अभ्यथीर्यों को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड,और सभी प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी साथ में लेकर आए ताकि उनका चयन आसानी से हो। इस रोजगार मेले में शैक्षिक योग्यता बालक एवं बालिका दोनों क्ळक (कोई भी दो वर्षीय पाठ्यक्रम सभी ट्रेड)और 10वीं 12वीं पास की है। इस रोजगार मेले में गाजीपुर के सभी गांव के अभ्यार्थी भाग ले सकते है जिनकी उम्र 18 से 25 वर्ष की है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं